twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | सोमवार, 25 अगस्त, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 278, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

'लोकतांत्रिक प्रणाली में सत्ता और विपक्ष दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण'

विधानसभा और संसद केवल बहस का मंच नहीं, बल्कि विवेक और विचार का संगम है: शाह

नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को दिल्ली विधानसभा में दो दिवसीय ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सदन लोकतंत्र का इंजन होता है, इसलिए विपक्ष द्वारा संसद तथा विधानसभाओं की कार्यवाही को बाधित करने की प्रवृत्ति चिंताजनक है। शाह ने कहा कि लोकतांत्रिक प्रणाली में सत्ता और विपक्ष दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, लेकिन कई दिनों तक सदन को न चलने देना लोकतंत्र की भावना के विपरीत है। उन्होंने कहा कि सदन जनता की आकांक्षाओं का प्रतीक है और सार्थक बहस से ही जनकल्याणकारी कानून बनते हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा और संसद केवल बहस का मंच नहीं, बल्कि विवेक और विचार का संगम है। सदन की कार्यवाही में पक्ष-विपक्ष दोनों को मिलकर जनता की आवाज बनना चाहिए। शाह ने उपस्थित सभी अध्यक्षों और उपाध्यक्षों से आह्वान किया कि वे सदन की गरिमा बनाए रखते हुए चर्चा को सार्थक और परिणामोन्मुख बनाने का प्रयास करें। गृह मंत्री ने स्वतंत्र भारत के पहले भारतीय केंद्रीय विधानसभा अध्यक्ष रहे विट्ठल भाई पटेल के योगदान को भी विस्तार से याद किया। उन्होंने कहा कि पटेल ने विधानसभा अध्यक्ष पद की गरिमा को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया और कई ऐसी परंपराएं स्थापित कीं जो आज भी लोकतांत्रिक संस्थाओं की आधारशिला हैं। शाह ने सुझाव दिया कि विट्ठल भाई पटेल के भाषणों और योगदान का संकलन देशभर की विधानसभाओं की लाइब्रेरी में उपलब्ध कराया जाए, ताकि नए पीढ़ी के जनप्रतिनिधि उनसे प्रेरणा ले सकें। गृह मंत्री ने कहा कि भारत का लोकतंत्र गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़ा है।

'प्राचीन काल से ही भारत में जनमत को महत्व देने की परंपरा रही'

हस्तिनापुर की सभा का उदाहरण देते हुए कहा कि प्राचीन काल से ही भारत में जनमत को महत्व देने की परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष केवल सदन के संरक्षक ही नहीं बल्कि सेवक भी होते हैं और उनके विवेकपूर्ण निर्णय ही लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करते हैं। इस अवसर पर दिल्ली के मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना सहित देशभर की विधानसभाओं और विधान परिषदों के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष उपस्थित थे। कार्यक्रम में दिल्ली विधानसभा में विट्ठल भाई पटेल के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया गया। अमित शाह ने अंत में सभी विधायकों और सांसदों से विधानसभा व संसद की लाइब्रेरी का अधिकाधिक उपयोग करने का आग्रह किया और कहा कि अध्ययन और विमर्श के माध्यम से ही लोकतंत्र को सशक्त बनाया जा सकता है। शाह ने सुझाव दिया कि विट्ठल भाई पटेल के भाषणों और योगदान का संकलन देशभर की विधानसभाओं की लाइब्रेरी में उपलब्ध कराया जाए, ताकि नए पीढ़ी के जनप्रतिनिधि उनसे प्रेरणा ले सकें। गृह मंत्री ने कहा कि भारत का लोकतंत्र गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़ा है।

'राजनीतिक हितों के लिए संसद में वाद-विवाद न होने देना गलत'

शाह ने कहा कि अपने राजनीतक हितों के लिए संसद में वाद-विवाद न होने देना गलत है। पूरे-पूरे दिन सत्र को न चलने देने पर हमें विचार करना होगा। जब-जब भी सभाओं ने अपनी गरिमा खोई है तो बहुत बुरे परिणाम हमें भुगतने पड़ें हैं। इस मौके पर मैं आपको महाभारत की हस्तिनापुर की सभा का उदाहरण देना चाहता हूं। जब सभा में स्त्री का सम्मान नहीं हुआ, तब ही महाभारत हुई थी। सभाओं की गरिमा देश के हित में जनता की आवाज बनने का माध्यम होना चाहिए। इसलिए सभापति को हमारे यहां इंस्टीट्यूशन का स्टेटस दिया गया है।

सभापति अपने आपमें एक संस्था होता है। सभापति चुनकर तो आते हैं एक राजनीतिक दल से। वे आते तो हैं एक राजनीतिक विचारधारा से संबंध होकर।

लेकिन सभापति की शपथ लेते ही उनको अंपायर के नाते काम करना होता है। इसलिए सबसे कठिन भूमिका पूरी असेंबली में किसी को होती है तो वो सभापति की होती है। मैं आज गौरव के साथ कह सकता हूं भारतीय आजादी के इस 80 साल में और हमारे संविधान के 75 साल में हमारे देश भर की असेंबलीज, विधानसभाएं और लोकसभा में हमेशा सभापतियों ने विधानसभा और लोकसभा में भारत के गौरव को आगे बढ़ाने का काम किया है। और हमारे लोकतंत्र को हमने मजबूत किया है।

संघ की समन्वय बैठक 5 से 7 सितम्बर तक जोधपुर में

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (रा.स्व.संघ) की अखिल भारतीय समन्वय बैठक आगामी 05 से 07 सितम्बर तक जोधपुर (राजस्थान) में आयोजित होगी। बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत एवं सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले सहित सभी छह सह सरकार्यवाह और अन्य प्रमुख पदाधिकारी भाग लेंगे। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बताया कि रा.स्व.संघ प्रतिवर्ष तीन दिवसीय अखिल भारतीय समन्वय बैठक आयोजित करता है। गत वर्ष यह बैठक सितंबर, 2024 में पालक्काड (केरल) में संपन्न हुई थी। संघ की इस अखिल भारतीय समन्वय बैठक में संघ प्रेरित 32 विविध संगठनों के चयनित पदाधिकारी ही सहभागी होते हैं। मुख्यतः यह संगठनों के अध्यक्ष और संगठन महामंत्री होते हैं। इस वर्ष भी बैठक में राष्ट्र सेविका समिति, वनवासी कल्याण आश्रम, विश्व हिन्दू परिषद, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, भारतीय जनता पार्टी, भारतीय किसान संघ, विद्या भारती, भारतीय मजदूर संघ सहित 32 संघ प्रेरित विविध संगठनों के राष्ट्रीय अध्यक्ष, संगठन मंत्री एवं प्रमुख पदाधिकारी सहभागी होंगे। सुनील आंबेकर के अनुसार यह सभी संगठन संघ विचारों के अनुरूप समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक रूप से कार्यरत हैं। सार्वजनिक जीवन में लोकतांत्रिक पद्धति से सामाजिक परिवर्तन एवं व्यवस्थाओं में सुधार हेतु निरंतर प्रयासरत रहते हैं। बैठक में सभी संगठन कार्य क्षेत्र में अपने अनुभवों के आधार पर परिस्थितियों का आकलन प्रस्तुत करते हैं। राष्ट्रीय एकात्मता, सुरक्षा एवं सामाजिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण विषयों पर बैठक में व्यापक चर्चा तथा करणीय कार्यों में परस्पर समन्वय स्थापित करने के लिए आवश्यक कदमों की पहल होती है। हाल ही में हुई महत्वपूर्ण घटनाओं पर सामूहिक समीक्षात्मक विश्लेषण भी किया जाएगा। इस बार की बैठक में भी विविध संगठन के कार्यकर्ता अपने कार्य की जानकारी, उपलब्धियों तथा आगामी योजनाओं को भी प्रस्तुत करेंगे। चूंकि, यह संघ की स्थापना का सौवां साल है, तो संघ शताब्दी के निमित्त कार्यक्रमों में सभी संगठनों की सहभागिता पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

भारतीय लोकतंत्र आयातित नहीं, बल्कि हमारी परंपराओं और महाकाव्यों में निहित है: हरिवंश

नई दिल्ली

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने रविवार को कहा कि भारतीय लोकतंत्र किसी अन्य देश से आयातित नहीं, बल्कि हमारी परंपराओं, महाकाव्यों और दार्शनिक विचारधारा में निहित है, जहां सदा धर्म और नैतिकता ने सत्ता का मार्गदर्शन किया। उन्होंने इन शब्दों के साथ आज ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस के द्वितीय सत्र को संबोधित किया। सत्र का विषय भारत मदर ऑफ डेमोक्रेसीह्व था, जो केंद्रीय विधानसभा के प्रथम भारतीय अध्यक्ष विट्ठलभाई पटेल के 1925 के निर्वाचन की शताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। इस अवसर पर दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट भी उपस्थित रहे। हरिवंश ने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक परंपरा हजारों वर्षों पुरानी है। उन्होंने उल्लेख किया कि ऋग्वेद से ही सभा और समिति जैसी सामूहिक विमर्श की संस्थाओं का उल्लेख मिलता है। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्यों में नेतृत्व का संबंध त्याग, नैतिकता और प्रजाजन के प्रति जिम्मेदारी से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी चिंतकों ने राजनीति को नैतिकता से अलग किया, जबकि भारतीय चिंतन में धर्म और शासन हमेशा साथ रहे।

बारिश: राजस्थान के कई जिलों में बाढ़ के हालात

जयपुर

राजस्थान में लगातार हो रही भारी बारिश ने हालात बिगाड़ दिए हैं। कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, जयपुर सहित कई जिलों में पिछले तीन दिन से रुक-रुक कर मूसलधार बारिश हो रही है। राजधानी जयपुर में 24 घंटे से जारी बरसात के कारण प्रमुख इलाके जलमग्न हो गए हैं। कई सड़कों पर ट्रैफिक ठप है और दोपहिया वाहन पानी में डूब गए हैं। हीरापुरा, भांकरोटा और सीकर रोड जैसे क्षेत्रों में घुटनों तक पानी भर गया है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कोटा जिले के सुल्तानपुर में शनिवार रात मकान ढहने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हुआ है। हादसे के समय परिवार अपने घर में सो रहा था। डीडवाना के कोलिया गांव में भी मकान की दीवार गिरने से दो बाल मजदूरों की दबकर मौत हो गई। वहीं, उदयपुर के महाराणा भूपाल सिंह अस्पताल और एमबी हॉस्पिटल की नई ओपीडी तक में पानी भर गया, जिससे मरीजों और स्टाफ को भारी दिक्कत हुई। हाड़ौती क्षेत्र में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। सेना और एयरफोर्स को राहत व बचाव कार्यों में लगाया गया है। एयरफोर्स का हेलिकॉप्टर ट्र-17 भी रेस्क्यू ऑपरेशन में लगाया गया है। धौलपुर में चंबल नदी खतरे के निशान से 8 मीटर ऊपर बह रही है, जिससे नदी किनारे के गांवों में बाढ़ का खतरा और बढ़ गया है। सवाई माधोपुर जिले में भारी बारिश के चलते कई गांवों का संपर्क कट गया है। छोटी दुब्बी क्षेत्र में जलभराव और भूस्खलन के कारण मकानों को खतरा पैदा हो गया है। वहीं पांचोलास क्षेत्र में पुलिया बह जाने से आसपास की बस्तियां पूरी तरह अलग-थलग हो गई हैं। प्रदेश के अन्य जिलों में भी हालात चिंताजनक हैं। सीकर के फतेहपुर में निचले इलाकों में तीन फीट तक पानी भर गया और बस स्टैंड जलमग्न हो गया। अजमेर में नला बाजार बहाव की चपेट में आ गया, जबकि दौसा के बांदीकुई स्थित ऐतिहासिक चांद बावड़ी में वर्षों बाद झरने बह निकले।

आपदा पीड़ितों से मिलने थराली पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

गोपेश्वर

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को आपदा प्रभावित क्षेत्र थराली के क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया और पीड़ितों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। इस दौरान मुख्यमंत्री धामी ने थराली आपदा पीड़ितों को पांच-पांच लाख रुपये के चेक भी वितरित किए और उनको हरसंभव सहायता का भरोसा दिया। रविवार को मुख्यमंत्री धामी आपदा प्रभावित क्षेत्र थराली पहुंचे और प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने आपदा पीड़ितों से मुलाकात कर उनके दर्दको सुना। इस मौके पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि इस आपदा ने कई परिवारों को अपार दुःख दिया है, हम उनकी पीड़ा को समझते हैं। संकट की इस घडी में हमारी सरकार पूरी तरह से प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होंने प्रभावित लोगों को हरसंभव मदद पहुंचाने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि युद्धस्तर पर राहत और बचाव कार्य संचालित किए जा रहे हैं।

विभागीय अधिकारियों को चौबीस घंटे लगातार राहत एवं बचाव कार्य चलाने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य सरकार के स्तर पर राहत व बचाव कार्यों में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। मुख्यमंत्री ने थराली क्षेत्र में हुई प्राकृतिक आपदा के बाद चलाए जा रहे राहत एवं बचाव कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी भी ली। मुख्यमंत्री धामी कुलसारी में बने राहत शिविर भी पहुंचे और व्यवस्थाओं व सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रभावित लोगों से व्यवस्थाओं और यहां पर मिल रही सुविधाओं का फीडबैक लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसका पूरा ध्यान रखा जाए।

भारत की बड़ी कामयाबी, डीआरडीओ ने किया आईएडब्ल्यूएस का सफल परीक्षण

नई दिल्ली

भारत ने बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस हथियार प्रणाली (आईएडब्ल्यूएस) का सफल परीक्षण किया है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने ओडिशा तट से 23 अगस्त को दोपहर लगभग 12 बजकर 30 मिनट पर आईएडब्ल्यू का सफल परीक्षण किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को एक्स पोस्ट में इस सफल परीक्षण के लिए डीआरडीओ को बधाई देते हुए लिखा कि इसने देश की बहुस्तरीय वायु रक्षा क्षमता को स्थापित किया है। यह दुश्मन के हवाई खतरों के खिलाफ क्षेत्रीय सुरक्षा को और मजबूत करेगा।। आईएडब्ल्यूएस बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली है। जिसमें कई स्वदेशी मिसाइलें और शक्तिशाली लेजर हथियार शामिल हैं। यह प्रणाली दुश्मन के लड़ाकू विमानों, ड्रोन हमलों, हेलीकॉप्टर से किए जाने वाले हमलों सहित हर प्रकार के हवाई हमले को न केवल निष्क्रिय करने में सक्षम है बल्कि दुश्मन के हथियारों को हवा में ही मार सकता है।

बर्ड फ्लू को लेकर आर-आर टीमें सतर्क

प्रयागराज

बर्ड फ्लू के मद्देनजर पोल्ट्री फार्मों को हिदायत देते हुए चेतावनी जारी कर दी गई है। इसे रोकने के लिए प्रयागराज में कंट्रोल रूम स्थापित कर दिया गया है। यह जानकारी रविवार को प्रयागराज मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ.शिवनाथ यादव ने दी। उन्होंने बताया कि प्रयागराज में लगभग 6 लाख पोल्ट्री है। जिनका संघन निरीक्षण किया जा रहा है। इस कारोबार से जुड़े लोगों को चेतावनी दी गई है कि अनावश्यक पोल्ट्री में न जाय। सबसे महत्वपूर्ण है। फूटबाथ का प्रयोग किया जाए। ऐसे समय में यदि कोई पक्षी किसी दूसरे स्थान से लाया जाय तो उसे एक माह तक अलग स्थान पर रखा जाय। प्रयागराज में कुल 80 ब्रॉयलर पोल्ट्री फार्म है। जिनका सघन निरीक्षण किया जा रहा है। कुकुट विकास नीति 2013 के तहत भी पोल्ट्री फार्म संचालित हो रहें है।

तत्परता और संवेदनशीलता से करें जन समस्याओं का निस्तारण: सीएम योगी

गोरखपुर

शनिवार दोपहर बाद गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद रविवार सुबह जनता दर्शन में आए लोगों से मुलाकात की। ध्यान से उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का निस्तारण तत्परता और संवेदनशीलता से किया जाए। इसमें कोई हीलाहवाली नहीं होनी चाहिए। हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतुष्टिपरक होना चाहिए। सीएम ने कहा कि जनता की हर समस्या के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और एक-एक कर-के सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि हर व्यक्ति की समस्या का समाधान सुनिश्चित किए जाएगा। सबकी बात सुनने के बाद प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण का निर्देश देने के साथ मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि किसी भी व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अफसरों से कहा कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी सहायता की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। जनता दर्शन में कई जिलों के लोग मुख्यमंत्री से मिलकर अपनी समस्या बताने पहुंचे थे। आगरा से आई एक महिला ने आवास की समस्या बताई। सीएम योगी ने उसे भरोसा दिलाया कि शासन की योजना के तहत आवास की व्यवस्था की जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी अहमदाबाद और गांधीनगर में 2548 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का करेंगे शिलान्यास और लोकार्पण

एजेंसी

गांधीनगर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 और 26 अगस्त को गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर आ रहे हैं। इस दौरान वे अहमदाबाद और गांधीनगर में शहरी विकास से जुड़ी 2548 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।प्रधानमंत्री गुजरात को यह सौगात ऐसे समय में देने जा रहे हैं, जब राज्य शहरी विकास वर्ष के गौरवशाली 20 वर्षों का जश्न मना रहा है। गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई शहरी विकास यात्रा को आज 20 वर्ष पूरे हो चुके हैं। इन दो दशकों की उपलब्धियों को आगे बढ़ाते हुए गुजरात सरकार नागरिकों के लिए ईज ऑफ लिविंग में सुधार के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। यह जानकारी राज्य सूचना विभाग ने दी। अहमदाबाद में शहरी विकास विभाग की 2267 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास सूचना विभाग ने अपने बयान में बताया कि प्रधानमंत्री अहमदाबाद महानगर पालिका की ओर से 133 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के इन-सीटू रिहैबिलिटेशन घटक के तहत रामापीरना टेकरा के सेक्टर-3 में स्थित 1449 झुग्गियों के पुनर्वास कार्य का लोकार्पण करेंगे। इस कैम्पस में कॉमन प्लॉट, आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य केंद्र, सोलर रूफटॉप

सिस्टम और प्रत्येक घर में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन जैसी सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं। प्रधानमंत्री अहमदाबाद में करोड़ों के विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण

अहमदाबाद शहरी विकास प्राधिकरण (औडा) क्षेत्र में जल जीवन मिशन के अंतर्गत शुद्ध पेयजल पहुंचाया जाएगा। इसके लिए दसक्रोई तहसील में 27 करोड़ रुपये के खर्च से 15 लाख लीटर क्षमता वाला क्लीयर वाटर पम्प तथा वाटर पम्पिंग स्टेशन बनाकर 23 किमी की लंबाई में ट्रंक मेन पाइपलाइन बिछाई गई है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री करेंगे। इस परियोजना के अंतर्गत औडा क्षेत्र के 10 गांवों में नर्मदा के शुद्ध पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी।

प्रधानमंत्री अहमदाबाद में जिन विकास कार्यों का शिलान्यास करेंगे। उनमें शेला, मणिपुर, गोधावी, सनाथल और तेलाव के लिए स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम का निर्माण और 5 वर्षों के लिए इसका संचालन एवं रखरखाव, अहमदाबाद महानगर पालिका में स्ट्रीट फर्नीचर के साथ लॉ गार्डन और मीठाखली प्रिसिंक्ट का विकास, थलतेज वार्ड और पश्चिम जोन के नारणपुरा वार्ड, पश्चिम जोन चांदखेड़ा में नए वाटर डिस्ट्रीब्यूशन स्टेशन का निर्माण और अहमदाबाद शहर में साबरमती और अहमदाबाद स्टेशन के बीच फोरलेन असारवा रेलवे ओवरब्रिज का पुनर्निर्माण आदि शामिल हैं। इसके अलावा, दक्षिण पश्चिम जोन के सरखेज वार्ड में 56.52 करोड़ रुपए की लागत से मिनी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जाएगा।

राम जन्मभूमि ट्रस्ट के सदस्य राजा अयोध्या विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र का आकस्मिक निधन

एजेंसी

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वरिष्ठ सदस्य एवं राज सदन अयोध्या के मुखिया, विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र पप्पू भैया का गत रात्रि आकस्मिक निधन हो गया। राज सदन आवास पर पप्पू भैया ने अंतिम सांस ली। निधन की सूचना मिलते ही नजदीकी लोग व प्रशासनिक अमला आवास पर पहुंच रहा है। वे लगभग 71 वर्ष के थे। पप्पू भैया की अंत्यष्टि रविवार दोपहर 12 बजे के बाद सरयू तट पर होगी।

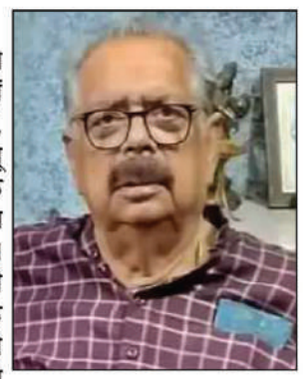

मप्र: शनिचरी अमावस्या पर शनिधाम पहुंचे छह लाख श्रद्धालु, सुख-समृद्धि की कामना की

भोपाल। मध्य प्रदेश में मुरैना जिले के ग्राम ऐंती स्थित प्राचीन शनिधाम मंदिर पर शनिचरी अमावस्या के पावन अवसर पर विशाल मेले का सफल आयोजन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों जैसे राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़, भोपाल और कोटा से लगभग छह लाख श्रद्धालु भगवान श्री शनिदेव के दर्शन हेतु पहुंचे और सुख-समृद्धि व शांति की प्रार्थना की। देर शाम तक मंदिर में श्रद्धलुओं की भीड़ उमड़ती रही। जिला प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए समुचित व्यवस्थाएं की गई थीं। कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना के निर्देशन में पुलिस, राजस्व एवं अन्य विभागों के अधिकारीगण लगातार व्यवस्थाओं की मॉनीटरिंग करते रहे। पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ के मार्गदर्शन में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए, जिनमें दो पालियों में 600 पुलिसकर्मी एवं राजस्व विभाग के 500 कर्मचारियों की तैनाती की गई। मेले को चार सेक्टरों में विभाजित किया गया था, जिनमें सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए। सभी कार्यपालिक दण्डाधिकारी, समाजसेवी व जिला अधिकारी मेला स्थल पर उपस्थित रहकर व्यवस्था संभालते रहे। स्काउट गाइड के बच्चों द्वारा बुजुर्ग दर्शानार्थियों को सहयोग प्रदान किया गया, उन्हें दर्शन कराकर सुरक्षित स्थानों तक पहुँचाया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर अश्विनी कुमार रावत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह डाबर, डीएसपी हेडक्वार्टर विजय भदौरिया सहित समस्त एसडीओपी, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं मैदानी कर्मचारी व्यवस्था में सक्रिय रूप से लगे रहे। श्रद्धालुओं के लिए महिला एवं पुरुष स्नानागारों की अलग-अलग व्यवस्था की गई, जिससे स्नान की प्रक्रिया सुगम और व्यवस्थित रही। नाई ज़ोन की व्यवस्था प्रशासन द्वारा स्थापित नाई ज़ोन में लगभग 300 नाइयों की व्यवस्था की गई थी। फायर ब्रिगेड की तैनाती संभावित अग्निकांडों की रोकथाम हेतु विभिन्न स्थानों पर फायर ब्रिगेड की व्यवस्था की गई।

मप्र के पांढुर्ना में परंपरागत गोटमार मेला संपन्न, पत्थरबाजी से करीब 1000 लोग हुए घायल

भोपाल। मध्य प्रदेश के पांढुर्ना जिले में हर साल की तरह इस बार भी खतरनाक परम्परागत गोटमार मेला संपन्न हुआ। यहां दो गांवों पांढुर्ना और सावरगांव के बीच जाम नदी पर आयोजित गोटमार मेले में परंपरा के नाम पर हुई पत्थरबाजी में करीब 1000 लोग घायल हो गए। किसी का हाथ टूट गया, किसी का पैर फ्रैक्चर हो गया तो किसी को सिर और चेहरे पर चोट आई। घायलों में से दो को नागपुर रेफर किया गया है। इनमें एक ज्योतिराम उईके का पैर टूट गया है, जबकि निलेश जानराव का कंधा टूटा है। प्रशासन ने स्थानीय स्तर पर घायलों के इलाज के लिए छह अस्थायी स्वास्थ्य केंद्र बनाए थे, जहां 58 डॉक्टर और 200 मेडिकल स्टाफ तैनात किए गए। सुरक्षा के लिहाज से 600 पुलिस जवान तैनात रहे। कलेक्टर अजय देव शर्मा ने बीएनएस की धारा 163 भी लागू की थी, लेकिन गोटमार मेले में इसका असर नहीं दिखा। दरअसल, पांढुर्ना में गोटमार मेला हर साल भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष में पोला त्योहार के दूसरे दिन होता है। इस दौरान पांढुर्ना और सावरगांव के बीच बहने वाली जाम नदी के दोनों किनारों से दोनों गांव के लोग एक-दूसरे पर पत्थर बरसाकर इस परंपरा को निभाते हैं। इस परंपरा के तहत जाम नदी किनारे बसे पांढुर्णा और सावरगांव के लोगों ने एक दूसरे पर पत्थरबाजी की।

गुजरात: कोरी क्रीक क्षेत्र में नाव के साथ पकड़े गए 15 पाकिस्तानी मछुआरे

बीएसएफ की बड़ी कार्रवाई

एजेंसी

गांधीनगर। भारत-पाकिस्तान सीमा स्थित कच्छ के संवेदनशील कोरी क्रीक क्षेत्र में दोपहर सीमा सुरक्षा बल ने ऑपरेशन चलाकर 15 पाकिस्तानी नागरिकों को मछली पकड़ने वाली नाव सहित पकड़ लिया। लंबे समय बाद इतनी बड़ी संख्या में पाकिस्तानी मछुआरे पकड़े गए हैं।

नाले क्षेत्र में कॉम्बिंग बढ़ाई गई: दोपहर करीब 12 बजे कोटेश्वर के सामने कोरी क्रीक के उत्तरी छोर पर बीबी का कुआं इलाके में एक संदिग्ध नाव दिखाई दी। सीमा बल ने इस नाव को पकड़ने के लिए ऑपरेशन चलाया। नाव को घेर कर उसमें सवार पंद्रह पाकिस्तानियों को गिरफ्तार किया गया।

देर रात कोटेश्वर लाया गया:

देर रात इन सभी पाकिस्तानियों को कोटेश्वर लाया गया और पूछताछ शुरू की गई। प्राथमिक दृष्टि से मछुआरे प्रतीत हो रहे इन पाकिस्तानियों की इतनी बड़ी संख्या आखिर कोरी क्रीक तक कैसे पहुंच गई, इस सवाल का जवाब अब सीमा बल समेत अन्य एजेंसियां खोजेंगी।

विभिन्न बटालियनों का संयुक्त ऑपरेशन सफल रहा: सुरक्षा एजेंसियों और बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारियों को चौकन्ना कर देने वाली इस घुसपैठ की जानकारी के मुताबिक, शनिवार सुबह कोरी क्रीक में एक पाकिस्तानी नाव की हलचल सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने देखी थी। इसके बाद बीएसएफ की 68 और 176 बटालियन तथा जी ब्रांच के जवानों ने संयुक्त रूप से ऑपरेशन चलाया। यह पाकिस्तानी नाव लखपत से पांच किमी अंदर तक घुस आई थी। कोरी क्रीक के बीबी का कुआं इलाके के छोर से इस घुसी हुई नाव को बीएसएफ के जवानों ने पकड़ लिया और उसमें सवार पंद्रह पाकिस्तानी घुसपैठियों को गिरफ्तार कर लिया। इस घटना के बाद बीएसएफ ने क्रीक क्षेत्र में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया है। इस समय मछली पकड़ने का सीजन लगभग बंद है और समुद्र भी तूफानी हो गया है। ऐसे में समुद्री पेट्रोलिंग भी सतर्कता के साथ हो रही है। इसी तूफानी मौसम का फायदा उठाकर ये पाकिस्तानी घुसपैठिए कोरी क्रीक-देवरिया क्रीक और लखपत तक घुस आए।

भारत की बड़ी कामयाबी, डीआरडीओ ने किया आईएडब्ल्यूएस का सफल परीक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस हथियार प्रणाली (आईएडब्ल्यूएस) का सफल परीक्षण किया है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने ओडिशा तट से 23 अगस्त को दोपहर लगभग 12 बजकर 30 मिनट पर आईएडब्ल्यूए का सफल परीक्षण किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को एक्स पोस्ट में इस सफल परीक्षण के लिए डीआरडीओ को बधाई देते हुए लिखा कि इसने देश की बहुस्तरीय वायु रक्षा क्षमता को स्थापित किया है। यह दुश्मन के हवाई खतरों के खिलाफ क्षेत्रीय सुरक्षा को और मजबूत करेगा।। आईएडब्ल्यूएस बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली है। जिसमें कई स्वदेशी मिसाइलें और शक्तिशाली लेजर हथियार शामिल हैं। यह प्रणाली दुश्मन के लड़ाकू विमानों, ड्रोन हमलों, हेलीकॉप्टर से किए जाने वाले हमलों सहित हर प्रकार के हवाई हमले को न केवल निष्क्रिय करने में सक्षम है बल्कि दुश्मन के हथियारों को हवा में ही मार सकता है।

हरियाणा में मनाया गया राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने 'स्पेस के स्कोप' की अहमियत समझाई

एजेंसी

करनाल । देशभर में 'नेशनल स्पेस डे' को धूमधाम से मनाया गया। हरियाणा के करनाल में इस अवसर पर खास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर 'मंगल सेन ऑडिटोरियम' में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रदेश के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने शिरकत की। इस दौरान स्कूली छात्र और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) से जुड़े लोग भी पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का देशवासियों के नाम दिया वीडियो संदेश भी पर्दे पर दिखाया गया। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने दिन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा, राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाया जाने लगा है। 23 अगस्त 2023 को चंद्रयान-3 चांद पर उतरा था। विक्रम लैंडर को चांद पर उतारा गया था। स्कूल के बच्चों और देश की जनता को अंतरिक्ष के बारे में जानकारी मिल सके इसलिए राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया जाता है।

उन्होंने मंच से बच्चों को स्पेस के स्कोप और इसकी दैनिक जीवन में उपयोगिता समझाई। वैज्ञानिकों के योगदान को अहम बताते हुए कहा, ÷हमारे देश में वैज्ञानिकों का हर क्षेत्र में अहम योगदान है। इसके साथ ही उन्होंने तमाम वैज्ञानिकों को बधाई दी। बाद में एक्स पर इस कार्यक्रम को लेकर अपने विचार साझा किए। लिखा, करनाल में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर सहभागिता करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। इस बार स्पेस डे की थीम आर्यभट्ट से गगनयान तक है। इसमें अतीत का आत्मविश्वास भी है, और भविष्य का संकल्प भी है। यह देश के लिए गर्व की बात है कि इतने कम समय में ही, राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस हमारे युवाओं में उत्साह और आकर्षण का केंद्र बन गया है। पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का ही नतीजा है कि भारत स्पेस सेक्टर में एक के बाद एक नए कीर्तिमान रच रहा है, चाहे वह दो साल पहले ही भारत का चंद्रमा के साउथ पोल पर पहुंचने वाला पहला देश बनना हो या फिर स्पेस में डॉकिंग-अनडॉकिंग क्षमता रखने वाला दुनिया का चौथा देश बनना हो, भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में आज नॉन-स्टॉप गति से आगे बढ़ते ही जा रहा है। इसरो के विधुत कुमार ने कहा कि हमने स्कूल के बच्चों को इसरो की सफलता के बारे में बताया। उन्हें ये भी जानकारी दी कि इस बात को ध्यान में रखें कि रॉकेट लॉन्चिंग ही नहीं बल्कि इसकी जीवन में क्या उपयोगिता है उसकी जानकारी होना भी जरूरी है। उन्होंने बताया कि वह चंद्रयान-1 और मंगलयान में शामिल थे। सेवानिवृत्त होने के बाद अंतरिक्ष से जुड़ी जानकारियों को बच्चों के साथ साझा कर रहे हैं।

वाराणसी एयरपोर्ट पर विदेशी यात्री के पास से सेटेलाइट फोन बरामद, हड़कम्प

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी के बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट परशाम चेकिंग के दौरान एक विदेशी यात्री के पास से प्रतिबंधित सेटेलाइट फोन बरामद हुआ। यात्री से एयरपोर्ट के सुरक्षा अधिकारियों ने देर तक पूछताछ की। पूछताछ में इटली के यात्री ने अपना नाम एलएसजेंद्रों बताया। बनारस में दो दिन घुमने के बाद बेंगलुरु जाने के लिए वह अपनी पत्नी एवं बेटे के साथ बाबतपुर एयरपोर्ट पर आया था। फिलहाल, जांच एजेंसियां विदेशी यात्री से पूछताछ करने में जुटी है। इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट पकड़ने से पहले रूटीन चेकिंग में विदेशी यात्री का बैग एयरपोर्ट के एक्स-रे मशीन के पास जैसे ही पहुंचा स्कैनर ने रेड सिग्नल दे दिया। इसके बाद बैग को खोल कर चेक किया तो उसमें डिवाइस सेटेलाइट फोन मिला। यात्री को बताया गया कि भारत में सेटेलाइट फोन का बिना अनुमति उपयोग प्रतिबंधित है। अफसर यात्री का पासपोर्ट, वीजा सहित अन्य दस्तावेजों का वेरिफिकेशन इटली के दूतावास से कराने के लिए प्रक्रिया में जुटे रहे।

एयरपोर्ट के अफसरों के अनुसार विदेशी यात्री ने प्रारंभिक पूछताछ में सेटेलाइट फोन अपने पास होने की बात स्वीकार की, लेकिन उसके इस्तेमाल के कारण को स्पष्ट नहीं किया। उसने बताया कि उसे पता नहीं था कि भारत में सेटेलाइट फोन प्रतिबंधित है। बाबतपुर एयरपोर्ट पर इससे पहले भी विदेशी पर्यटकों के पास से सेटेलाइट फोन बरामद हो चुका है। पूछताछ के बाद विदेशी यात्री को आवश्यक कार्रवाई के लिए फूलपुर पुलिस को सौंपा जाएगा। अफसरों के अनुसार सेटेलाइट फोन मिलने के बाद विदेशी यात्री को रोक लिया गया, जबकि उसकी पत्नी और बेटा बेंगलुरु के लिए विमान से रवाना हो गए।

इत्र की खुशबू और आध्यात्मिक सर्किट से महका उत्तर प्रदेश पर्यटन

एजेंसी

पुरी (ओडिशा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पर्यटन ने एक बार फिर राष्ट्रीय मंच पर अपनी विशेष पहचान बनाई है। ओडिशा के पुरी में चल रहे भारतीय पर्यटन ऑपरेटर संघ (आईएटीओ) के 40वें वार्षिक सम्मेलन में उत्तर प्रदेश चर्चा का मुख्य केंद्र रहा। 22 से 25 अगस्त तक आयोजित इस सम्मेलन का विषय 'रीजुवेनेट इनबाउंड ञ2030' है और इसमें लगभग 1000 प्रतिनिधि (टूर ऑपरेटर, ट्रैवल मीडिया, होटल उद्योग और नीति निर्माता) शामिल हुए हैं। सम्मेलन के पहले ही दिन उत्तर प्रदेश पर्यटन का स्टॉल सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र बना, जहां कन्नौज की सैकड़ों साल पुरानी इत्र बनाने की परंपरा, काशी-अयोध्या-प्रयागराज का आध्यात्मिक त्रिकोण और दीपोत्सव व रंगोत्सव जैसे भव्य सांस्कृतिक आयोजनों की झलक प्रस्तुत की गई। विशेष रूप से कन्नौज के इत्र और परफ्यूम टूरिज्म ने प्रतिनिधियों का मन मोह लिया। स्टॉल का उद्घाटन ओडिशा की उपमुख्यमंत्री प्रावती परिदा ने किया। सम्मेलन में भाग लेते हुए पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि आईएटीओ सम्मेलन हमारे लिए बड़ा अवसर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को भारत का सबसे विविधतापूर्ण पर्यटन गंतव्य बनाया जा रहा है। कन्नौज का इत्र, दीपोत्सव जैसे सांस्कृतिक आयोजन और धार्मिक धरोहर हमारे पर्यटन की खास पहचान हैं। हमारा लक्ष्य है कि 2030 तक यहां आने वाला हर पर्यटक यूपी की संस्कृति और आध्यात्मिकता से गहरा जुड़ाव महसूस करे। पर्यटन और संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने कहा कि उत्तर प्रदेश केवल अपनी धरोहर और स्मारकों को दिखाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां नई पर्यटन सुविधाएं, निजी निवेश और नए अनुभवों पर भी तेजी से काम हो रहा है। उन्होंने बताया कि नदी पर्यटन, वेलनेस, एग्रो टूरिज्म और परफ्यूम टूरिज्म जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इससे प्रदेश आने वाले पर्यटकों को एक संपूर्ण अनुभव मिलेगा। सम्मेलन के पहले दिन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और नेटवर्किंग सत्रों में रामायण सर्किट, वाराणसी के रिवरफ्रंट और बुंधवा-बुंदेलखंड के इको-टूरिज्म पर विशेष चर्चा हुई।

धामी सरकार आपदा प्रभावित परिजनों को देगी पांच-पांच लाख की मुआवजा राशि

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड सरकार चमोली जनपद के थराली सहित सभी आपदाग्रस्त क्षेत्रों में पूरी तरह नष्ट हो गए मकान के पुनर्वास और पुनर्स्थापन के साथ ही मृतक के परिजनों को 5-5 लाख रुपये की तत्काल सहायता राशि उपलब्ध कराएगी। रात्रि आपदा परिचालन केंद्र देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने थराली (चमोली) आपदा राहत कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी को निर्देश दिए हैं कि पूरी तरह क्षतिग्रस्त मकानों के लिए 5 लाख की सहायता राशि तत्काल प्रभावितों को जारी की जाए। इसके साथ ही उन्होंने मृतकों के परिजनों को भी 5 लाख की सहायता राशि तत्काल प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि थराली में जो लोग बेघर हुए हैं उनके लिए तात्कालिक रूप से उनके लिए बेहतर से बेहतर व्यवस्था की जाए। इसके साथ ही पुनर्वास का काम भी तेजी से आरंभ किया जाए। प्रभावितों को राहत सामग्री तत्परता से मिल जाए और सभी आवश्यक सामान एक साथ दिया जाए। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं थराली आपदा प्रभावित क्षेत्र में बिजली, पानी, सड़क नेटवर्क सहित सभी मूलभूत जरूरत को जल्द से जल्द बाहर किया जाए। प्रभावितों को बांटी जाने वाली राशन सहित सभी प्रकार की राहत सामग्री की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। मुख्यमंत्री ने थराली आपदा के दौरान जिलाधिकारी चमोली की तत्काल मौके पर पहुंचने, प्रभावितों को तत्परता से राहत पहुंचाने एवं बेहतरीन प्रबंधन के लिए प्रशंसा की।

'वर्ष 2040 में भारतीय चंद्रमा की सतह पर रखेंगे कदम'

विकसित भारत 2047 की करेंगे घोषणा : डॉ जितेन्द्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह ने कहा कि वर्ष 2040 में कोई भारतीय चंद्रमा की सतह से विकसित भारत 2047 की घोषणा करेगा। वो घोषणा पूरे ब्रह्मांड में भारत की विश्व पटल पर मजबूती की पुष्टि करेगा। भारत मंडपम में आयोजित राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ जितेन्द्र सिंह ने कहा कि भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम केवल रॉकेट और उपग्रहों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह लोगों को सशक्त बनाने, जीवन को बेहतर बनाने और एक उज्ज्वल भविष्य गढ़ने का माध्यम भी बन रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस इस बात की याद दिलाता है कि अंतरिक्ष में भारत की उपलब्धियां बहुत विशाल है। विज्ञान, नवाचार और जनकल्याण मिलकर राष्ट्र का भविष्य निर्मित कर कर रहे हैं डॉ. जितेन्द्र सिंह ने गगनयान मिशन की तैयारियों का उल्लेख करते हुए बताया कि चार वायुसेना अधिकारी ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला, ग्रुप कैप्टन प्रसन्नथ बालकृष्णन नायर, ग्रुप कैप्टन अजीत कृष्णन और ग्रुप कैप्टन अंगद प्रताप इस ऐतिहासिक मिशन के लिए प्रशिक्षण ले रहे हैं।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में शासन में स्पेस टेक्नोलॉजी के व्यापक उपयोग का आह्वान किया था और 2015 में इसके लिए स्पष्ट दृष्टि तैयार की गई थी। दस वर्षों बाद, सरकारी संस्थानों और निजी क्षेत्र दोनों की क्षमताओं में व्यापक वृद्धि हुई है।

300 से अधिक इंटरैक्शन और 90 से ज्यादा दस्तावेजों के आधार पर तैयार 15 वर्षीय रोडमैप में 100 से अधिक उपग्रहों का प्रक्षेपण शामिल है, जिनमें से 70 प्रतिशत छोटे उपग्रह होंगे। इनमें सरकारी तकनीकी मिशनों के साथ-साथ निजी क्षेत्र द्वारा संचालित परिचालन मिशन भी शामिल होंगे। यह रोडमैप भारत की अंतरिक्ष यात्रा को 2040 और आगे तक दिशा देगा तथा विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए खाद्य और जल सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, पर्यावरणीय सततता और समावेशी विकास में योगदान करेगा। कार्यक्रम में डॉ. सिंह ने भारतीय अंतरिक्ष हैकाथॉन 2025 और आईएसआरओ रोबोटिक्स चैलेंज - यूआरएससी 2025 के विजेताओं को भी सम्मानित किया।

बहन के साथ निकले युवक को पीट-पीटकर किया घायल

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी जिले के कालिंदी कुंज स्थित मदनपुर खादर में मामूली कहासुनी के दौरान 18 वर्षीय युवक को कुछ लड़कों ने बुरी तरह पीटकर घायल कर दिया। हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हड़कंप मच गया। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक 22 अगस्त की रात करीब 10.26 बजे कंट्रोल रूम में दो अलग-अलग पीसीआर कॉल मिली। पहली कॉल में लड़कों द्वारा चाकू से हमला करने की सूचना दी गई थी। जबकि दूसरी कॉल में आरोप लगाया गया कि छेड़छाड़ की घटना के बाद मारपीट हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस और पीसीआर टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल युवक की पहचान मदनपुर खादर जेजे कॉलोनी निवासी सोमित कुमार उर्फ सोनू के रूप में की। सोमित को तुरंत पीसीआर वैन की मदद से एलबीएस अस्पताल ले जाया गया जहां उसका मेडिकल कराया गया। जांच के दौरान पीड़ित की बहन ने बताया कि वे दोनों बाजार से घर लौट रहे थे। रास्ते में कुछ लड़के खड़े थे। जब बहन ने लड़कों से रास्ता छोड़ने को कहा तो कहासुनी शुरू हो गई और देखते ही देखते उन्होंने उसके भाई पर हमला कर दिया। लेकिन पुलिस की प्रारंभिक जांच में ना तो चाकू के इस्तेमाल की पुष्टि हुई, न ही छेड़छाड़ की बात सामने आई।

निगम ने मधुबन चौक से रिठाला मेट्रो स्टेशन तक जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से दिया स्वच्छता संदेश

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के रोहिणी क्षेत्र में जनता में स्वच्छता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए मानव श्रृंखला बनाई गई। उपमहापौर जय भगवान यादव की मौजूदगी में मधुबन चौक से लेकर रिठाला मेट्रो स्टेशन तक विद्यालय के छात्रों, आर डब्लू ए के सदस्यों एवं निगम कर्मचारियों के सहयोग से मानव श्रृंखला का निर्माण किया गया। उप महापौर जय भगवान यादव ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 11 वर्ष पहले स्वच्छ भारत अभियान का शुभारंभ किया। इसी कड़ी में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 1 अगस्त से दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान की शुरुआत की थी और आज नगर निगम ने नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए रोहिणी क्षेत्र में मधुबन चौक से लेकर रिठाला मेट्रो स्टेशन तक मानव श्रृंखला बना कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। यादव ने नागरिकों से आग्रह किया कि कूड़ा कूड़े की गाड़ी में डालें और गीले एवं सूखे कूड़े को पृथक करके ही कूड़े की गाड़ी में डालें। उन्होंने कहा कि स्वच्छता निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और जब तक हमें नागरिकों का सहयोग नहीं मिलेगा तब तक हम दिल्ली को साफ सुथरा नहीं कर पाएंगे।

मंत्री इंद्राज ने बवाना में पाइलाइन बिछाने के कार्य का किया शुभारंभ

नई दिल्ली। दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने बवाना विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 31 अंतर्गत नांगल ठाकरान स्थित माजरा डबास एवं बुढ़नपुर माजरा के लिए नई पानी की पाइपलाइन बिछाने के कार्य का शुभारंभ किया। मंत्री ने कहा कि बवाना क्षेत्र के कई गांवों में पानी की लाइनें 35-40 साल पुरानी हो चुकी हैं, जिनकी वजह से पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो रही है। ये सभी जर्जर पाइपलाइनें बदली जाएंगी। जिन गांवों और जेजे कॉलोनियों में अब तक लाइनें नहीं बिछाई गई हैं, वहां भी अंतिम छोर तक पाइपलाइन पहुंचाकर हर घर को पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश हैं कि दिल्ली के गांवों को निर्बाध बिजली और पानी की आपूर्ति मिले। गांवों और जेजे कॉलोनियों का विकास सरकार की प्राथमिकता हैं। रविंद्र इंद्राज ने दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुरानी पाइपलाइनों की जगह उच्च गुणवत्ता वाली डक्टाइल आयरन पाइपलाइन का नेटवर्क तैयार किया जाए और कार्य को तीन माह के भीतर पूरा किया जाए। साथ ही पाइपलाइन बिछाने के साथ निर्बाध जल आपूर्ति शुरू करने और खुदाई से प्रभावित सड़कों की मरम्मत का कार्य भी शीघ्रता से पूरा करने के निर्देश दिए। इस परियोजना से गांवों की 2500 के करीब आबादी को इसका लाभ मिलेगा।

आवारा कुत्तों को लेकर हुआ हंगामा, जांच के बाद शांत हुआ मामला

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के शाहबाद डेयरी थाना क्षेत्र के रोहिणी सेक्टर-27 स्थित स्ट्रे डॉग शेल्टर होम में उस समय हंगामा मच गया जब कुछ एनजीओ प्रतिनिधि और पशु-प्रेमी बड़ी संख्या में वहां पहुंच गए। उनका आरोप था कि शेल्टर होम में रखे कुत्तों के साथ क्रूरता की जा रही है और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार इन कुत्तों को रिहा किया जाना चाहिए। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारी के अनुसार स्थिति को देखते हुए पुलिस ने शांतिपूर्ण समाधान के लिए प्रदर्शनकारियों को शेल्टर होम का निरीक्षण करने की अनुमति दी। इसके लिए प्रदर्शनकारियों के समूह बनाए गए, प्रत्येक समूह में 5-5 सदस्य शामिल किए गए। जांच के दौरान पाया गया कि शेल्टर में कुल 113 आवारा कुत्ते रखे गए हैं। सभी कुत्ते स्वस्थ अवस्था में थे और उनके साथ किसी भी तरह की क्रूरता या दुर्व्यवहार के कोई संकेत नहीं मिले। केवल एक कुत्ता बीमार पाया गया, जो पहले से ही उचित इलाज ले रहा था।

मुझे तूफानों से जूझने की आदत, आसुरी शक्तियों से डरने वाली नहीं : सीएम रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने विरोधियों को बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि वह किसी भी आसुरी शक्ति से डरने वाली नहीं हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) के वार्षिक दिवस समारोह को संबोधित कर रही थीं। अपनी व्यक्तिगत यात्रा साझा करते हुए, सीएम रेखा गुप्ता ने दिल्ली विश्वविद्यालय में एक छात्र नेता के रूप में अपने दिनों को याद किया। उन्होंने कहा, ÷मुझे तूफानों से जूझने की आदत है। जब मैं डूसू प्रेसिडेंट थी, तो एक बार एक विरोध प्रदर्शन के दौरान पुतला फूंकते समय एक समझदार व्यक्ति ने केरोसिन की जगह पेट्रोल डाल दिया था, जिसके कारण मेरा चेहरा जल गया। मुझे एक-डेढ़ महीने इस हालात से गुजरना पड़ा था।' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम रेखा गुप्ता ने आगे कहा, 'छोटी उम्र में भी, मेरा मानना था कि आगे बढ़ते रहना चाहिए।

आज दिल्ली की जनता की शक्ति और आशीर्वाद से मैं चुनौतियों का साहस के साथ सामना कर रही हूं।' उन्होंने खुद को शक्तियों का अंबार बताते हुए कहा कि मैं किसी भी असुरी शक्ति से डरने वाली नहीं हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'जब तक दिल्ली को उसके अधिकार नहीं मिल जाते, मैं लगातार संघर्ष करती रहूंगी। न डरूंगी, न थकूंगी और न ही हार मानूंगी।' उन्होंने यह भी कहा कि अपने ऊपर हुए हमले के बावजूद उनकी हिम्मत और संकल्प पहले से और मजबूत हुए हैं। श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) ने अपना 99वां वार्षिकोत्सव मनाया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता रहीं। रेखा गुप्ता अपने ऊपर हुए हमले के बाद सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्होंने कॉलेज का शताब्दी लोगो लॉन्च किया। इस मौके पर सीएम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत विजन पर बल देते हुए कहा कि देश और दिल्ली को बेहतर बनाने में हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने छात्रों से राष्ट्रनिर्माण में सक्रिय भागीदारी की अपील की। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'एसआरसीसी के 99वें वार्षिकोत्सव पर परिसर में शिक्षकों और छात्रों से संवाद का अवसर मिला। सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को ढेरों शुभकामनाएं। एशिया के सर्वश्रेष्ठ कॉमर्स कॉलेज का यह गौरवशाली सफर हम सबके लिए गर्व का विषय है। कॉलेज जीवन की यादें सचमुच सुनहरी होती हैं। चाहे जीवन में हम कितनी भी ऊंचाइयां क्यों न छू लें, वे दिन हमेशा मन में ताजा रहते हैं।

संसद सदस्यों ने लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष डा. बलराम जाखड़ की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

एजेंसी

नई दिल्ली । लोक सभा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. बलराम जाखड़ की जयंती पर संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश, संसद सदस्यों, पूर्व सदस्यों और लोक सभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह ने डॉ. जाखड़ को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर लोक सभा और राज्य सभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी डॉ. जाखड़ को श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ. बलराम जाखड़ 22 जनवरी 1980 को सातवीं लोक सभा के अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए और 15 जनवरी 1985 तक इस पद पर रहे । 16 जनवरी 1985 को उन्हें आठवीं लोक सभा के अध्यक्ष पद के लिए सर्वसम्मति से पुनःनिर्वाचित किया गया और वे पूरे कार्यकाल अर्थात 18 दिसंबर 1989 तक इस पद पर बने रहे। डॉ. जाखड़ ने स्वतंत्र भारत में लगातार दो लोक सभाओं के पूर्ण कार्यकाल में सभा की अध्यक्षता की। कृषक परिवार से सम्बद्ध डॉ. जाखड़ ने 1991 से 1996 तक दसवीं लोक

सभा के दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री के रूप में भी कार्य किया। डॉ. जाखड़ का निधन 3 फरवरी 2016 को हुआ। डॉ. बलराम जाखड़ के चित्र का अनावरण भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी द्वारा 10 फरवरी 2014 को किया गया था ।

एक राष्ट्र एक चुनाव देशहित में, इसे जनआंदोलन बनाएं: शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को देश की प्रगति और विकास के लिए आवश्यक बताते हुए इसका पुरजोर समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि बार-बार होने वाले चुनाव देश के संसाधनों, समय और ऊर्जा की बर्बादी करते हैं, जिससे विकास कार्य बाधित होते हैं। इसलिए एक राष्ट्र एक चुनाव के समर्थन में लोगों को आना चाहिए और इसे जन आंदोलन बनाना चाहिए। केंद्रीय मंत्री चौहान ने इंटरनेशनल आंबेडकर सेंटर में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर आयोजित उद्यमियों और व्यापारियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव के समय कलेक्टर से लेकर सभी कर्मचारियों तक सबकी ड्यूटी लगाती है, सब चुनाव आयोग के अधीन हो जाते हैं, शिक्षक, इंस्पेक्टर, सब मतदाता सूची तैयार करने में लग जाते हैं। जब 5 साल में एक बार चुनाव हों, तो एक बार मतदाता सूची तैयार होगी, इससे मतदाता सूची के नाम पर झगड़े खत्म हो जाएंगे। हर 4 महीने में चुनाव होने के कारण, एक अनुमान लगाया गया है कि 5 साल

में इन चुनावों में 4.5 लाख करोड़ से अधिक खर्च हुए हैं और यह लगातार बढ़ रहा है। यह करदाताओं का पैसा है। उन्होंने दावा किया कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' राष्ट्रहित में है और इसे देशवासी भी मान रहे हैं। जो वक्त चुनावों में लगेंगे वो वक्त लोगों की सेवा में लगना चाहिए। उन्होंने बार-बार चुनाव की परिस्थिति को देश के विकास के लिए सबसे बड़ी बाधा माना है। उन्होंने कहा कि आज 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के लिए सभी वर्ग सामने आ रहे हैं। सभी का मानना है कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' से देश का विकास तेज गति से होगा। बार-बार चुनाव को लेकर जो झगड़े होते हैं, वे समाप्त होंगे। जनप्रतिनिधि और सरकारी अमला का ज्यादा समय लोगों की सेवा में लगना चाहिए। यह समय देश के विकास में लगना चाहिए। आज मतदात ासमझदार हैं। उन्हें कोई भ्रमित नही कर सकता है। विपक्षी दल मतदाता के समझ पर प्रश्न उठाते हैं।

बिहार की जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रहा इंडी गठबंधन: भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव के मद्देनजर इन दिनों कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव बिहार दौरे पर हैं। इस पर निशाना साधते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा कि राहुल गांधी सहित पूरा इंडी गठबंधन बिहार की जनता को भ्रमित करने में जुटा है। भाजपा मुख्यालय में प्रवक्ता और सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने मीडिया को दिए अपने बयान में कहा कि राहुल गांधी का पटना में हनुमान मंदिर जाने का कार्यक्रम था, लेकिन वे मस्जिद चले गए। उन्होंने पूछा कि उन्होंने ऐसा तेजस्वी यादव के कहने पर किया या देश से बाहर किसी नेता के कहने पर किया। यह जनता खूब समझ रही है। कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार, अपराध, और राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर बिहार के लोगों को भ्रमित करने का प्रयास कर रही है। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी कहा कि बिहार के आगामी चुनावी

सरगना बन गया है। एडीआर ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि देश में जिन मुख्यमंत्रियों पर सबसे ज्यादा मामले दर्ज हैं, उनमें तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पहले नंबर पर हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन दूसरे नंबर पर हैं। अब साफ दिख रहा है कि भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए विपक्ष में इतनी बेचैनी क्यों है, इसलिए जेल में बंद प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री वाले विधेयक का विरोध हो रहा है। उन्होंने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव से पूछा कि ये वही रेवंत रेड्डी हैं जिन्होंने बिहार का डीएनए को घटिया बताया था, वहीं तमिलनाडु के एक मंत्री ने बिहार के लोगों को छोटे काम करने वाला बताया था। ऐसे में राहुल गांधी क्या इन नेताओं के बयानों का समर्थन करते हैं ? इन नेताओं से इतना लगाव क्यों है? उन्होंने कहा कि 50 साल पहले इंदिरा गांधी एक ऐसा नियम लेकर आईं थी जिसके तहत प्रधानमंत्री पर कोई कार्रवाई नहीं हो सकती थी। वो जीते तो चुनाव आयोग सही है और हारे तो सब गलत। आज पचास साल के बाद फिर इंदिरा गांधी के पोते वही बाते कह रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जेल में बंद प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री विधेयक में प्रधानमंत्री को भी दायरे में रखा। वो जो कहते हैं, वह करते हैं। बिहार में जो उन्होंने जो संकल्प लिए वो निश्चित रूप से पूरे किए।

अंतरिक्ष विज्ञान के कारण कृषि क्षेत्र में आए हैं चमत्कारिक बदलाव: शिवराज

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के अवसर पर एक कार्यक्रम को अपने मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करते हुए कहा कि आज कृषि क्षेत्र में किसानों की मदद करने में अंतरिक्ष कार्यक्रम का महत्व उभरकर सामने आया है। क्रॉप एवरेज प्रोडक्शन एस्टिमेशन का सवाल हो, फसल प्रणाली हो, गेहूं, धान, सरसों, कपास, गन्ना इत्यादि का उत्पादन, क्षेत्रफल का सटीक रूप से अनुमान लगाना या मौसम की जानकारी सहित अन्य विषय, सभी में अंतरिक्ष विज्ञान की अहम भूमिका है। शिवराज सिंह ने यहां के भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), पूसा में 'कृषि परिवर्तन के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में अनुसंधान और विकास' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि इसरो द्वारा विकसित 'जियो पोर्टल' के माध्यम से सूखे-बारिश व मौसम की लगभग सटीक जानकारी मिलने

लगी है। इसका जनता की जिंदगी में कितना महत्व है, इसका हम सभी को आभास है। किसान भाई-बहन अब इसके अनुसार खेती की योजनाएं बनाने लगे हैं। हम जानते है कि 'जियो पोर्टल' मिट्टी की नमी के बारे में भी जानकारी देता है। फसल के स्वास्थ्य के बारे में भी डेटा को एकीकृत करता है और सटीक जानकारी उपलब्ध कराने का काम करता है। उन्होंने कहा कि नासा इसरो सिन्थेटिक ऐपर्चर रडार मिशन (निसार) की वजह से अब किसान की छोटी जोत क्षेत्रफल से लेकर बड़े क्षेत्रफल भाग तक, मिट्टी की नमी, फसल की सेहत, बायोमास सभी का सटीक अनुमान लगाना संभव हो गया है। उन्होंने कहा कि सही जानकारियां किसानों तक पहुंचनी चाहिए और उन्हें जागरुक करने में हमारी अहम भूमिका अपेक्षित है। कृषि क्षेत्र में विज्ञान ने जो उपलब्धियां अर्जित की हैं, उसकी सीधी जानकारी किसानों तक पहुंचाने के ध्येय से ही 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' की शुरुआत की गई थी। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि अभी वर्तमान में हमारे समक्ष यही चुनौती है कि हम रीयल टाइम में किसानों को आवश्यक जानकारी से अवगत कराए, ताकि इन जानकारियों के आधार पर किसान खेती में फायदा उठा सके। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक ऐसा उपकरण विकसित करें जिससे नकली खाद और कीटनाशक का पता लगाया जा सके और यह जानकारी मिल सके कि उसमें कौन-कौन से तत्व सम्मिलित हैं। इस समस्या से किसान बड़े स्तर पर परेशान हैं। खेतों का विनाश हो रहा है।

अर्धनारीश्वर चिकित्सा-न्यूरोथेरेपी चिकित्सा भारत की प्राचीन धरोहर: रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अर्धनारीश्वर चिकित्सा-न्यूरोथेरेपी जैसी परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां भारत की प्राचीन धरोहर हैं। इनका महत्व आज और भी बढ़ गया है, क्योंकि यह उन बीमारियों का भी उपचार करती हैं, जहां आधुनिक चिकित्सा कई बार असफल हो जाती है। मुख्यमंत्री ने यह बातें आरोग्य पीठ के 14वें वेलनेस न्यूरोथेरेपी दिवस कार्यक्रम में कही। यह कार्यक्रम गुरु रामराय उदासीन आश्रम सभागार आराम बाग दिल्ली में आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार न्यूरोथेरेपी के लिए दिल्ली में बेहतर सुविधाएं और नए केंद्र स्थापित किए जाए। उन्होंने कहा कि आरोग्य पीठ द्वारा किए जा रहे कार्य समाज के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। दिल्ली सरकार इस दिशा में ऐसी कल्याणकारी संस्थाओं की हरसंभव सहयोग

करेगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने डॉ. रामगोपाल दीक्षित की पुस्तक का विमोचन किया। कार्यक्रम में संस्थान के पदाधिकारी डॉ. अशोक बाजपेयी, डॉ. कुसुम दीक्षित व अन्य लोग उपस्थित रहे।

दिल्ली एलजी के आदेश पर आम आदमी पार्टी का हमला, कहा- 'न्याय व्यवस्था का मजाक'

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा जारी उस अधिसूचना के खिलाफ आम आदमी पार्टी (आप) ने मोर्चा खोल दिया है, जिसमें पुलिस अधिकारियों को थाने से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में गवाही देने की अनुमति दी गई है। 'आप' का कहना है कि यह आदेश पूरी तरह अवैध और न्याय व्यवस्था को कमजोर करने वाला है। 'आप' के प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने कहा, 'एलजी साहब का यह फरमान न्याय प्रणाली का मजाक है। पहले ही पुलिस पर सरकार के दबाव में झूठे मुकदमे दर्ज करने के आरोप लगते रहे हैं, अब उनकी मनमानी और बढ़ेगी। अदालतों में गवाही और वकीलों की जिरह की प्रक्रिया कमजोर हो जाएगी। इस आदेश के विरोध में दिल्ली की सभी जिला अदालतों में हड़ताल चल रही है। दिल्ली हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की बार एसोसिएशन ने भी एलजी के आदेश का विरोध करते हुए इसे वापस लेने की मांग की है।' भारद्वाज ने तंज कसा कि अगर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के

दौरान वकील पुलिस अधिकारी से तीखा सवाल पूछ लेगा, तो अधिकारी कैमरा बंद कर इंटरनेट खराब होने का बहाना बना सकता है और अगली सुनवाई में तैयार होकर आएगा। इससे गवाही की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े होंगे और पूरी न्याय व्यवस्था प्रभावित होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार आने के बाद दिल्ली में मिडिल क्लास पर हमला हुआ, स्कूलों की फीस बढ़ी, बिजली कटौती बढ़ी और डॉक्टरों पर हमले हुए, जिन पर पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। अब भाजपा सरकार वकीलों को परेशान कर रही है और न्याय व्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। पार्टी के लीगल विंग के दिल्ली अध्यक्ष एडवोकेट संजीव नासियार ने कहा कि बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) आने के बाद से ही वकीलों ने कई प्रावधानों का विरोध किया था। गृह मंत्रालय ने तब लिखित आश्वासन दिया था कि पुलिस थाने से गवाही नहीं दी जा सकती। अब एलजी का नया आदेश उसी वादे के खिलाफ है। जब तक गवाह को कोर्ट में बुलाकर न्यायाधीश के सामने शपथ और जिरह नहीं होगी, तब तक न्याय प्रणाली कमजोर रहेगी। एलजी का यह आदेश पुलिस को अतिरिक्त शक्ति देने और आम जनता के अधिकारों को कमजोर करने की साजिश है।

यूपी रोडवेज बस ने युवक को कुचला, मौत

नई दिल्ली। शाहदरा जिले के आनंद विहार इलाके में यूपी रोडवेज की बस ने एक युवक को कुचल दिया। हादसे में युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान ऋषिराज कुमार सिंह (18) के रूप में हुई है। हादसे के बाद आरोपित चालक बस समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ऋषिराज के दोस्तों का बयान लेकर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपित बस चालक की पहचान करने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद ऋषिराज का शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के मुताबिक मूलरूप से बिहार का रहने वाला ऋषिराज परिवार के साथ माता वाली गली, वसंत विहार में रहता था। 20 अगस्त की शाम को वह अपने दोस्त शिवा एवं औरंगजेब के साथ अपने एक अन्य दोस्त से मिलने के लिए लोनी जा रहा था। यह लोग पिलर नंबर-216, पेट्रोल पंप, आनंद विहार के सामने सड़क पार कर रहे थे। शिवा एवं औरंगजेब ने तो सड़क पार कर ला, लेकिन ऋषिराज को सड़क पार करते हुए यूपी रोडवेज की बस ने टक्कर मार दी।

पिछली सरकार की गलत नीतियों से युवाओं को गुरुग्राम एवं नोएडा नौकरी के लिए जाना पड़ रहा : कपिल मिश्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के कला, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने खालसा कॉलेज में रोजगार मेल 2025 का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार की गलत नीतियों की वजह से दस सालों में हालत यह हो गई है कि नौकरी के लिए दिल्ली के युवाओं को गुरुग्राम और नोएडा जाना पड़ रहा है। हम चाहते हैं कि दिल्ली का युवा अपने ही शहर में काम करे और अपने ही शहर में उसे रोजगार मिले न कि उन्हें गुरुग्राम और नोएडा जाना पड़े। रोजगार मेले का आयोजन फिक्की लेडीज ऑर्गेनाइजेशन (एफएलओ) ने किया। मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली के युवाओं को नई स्किल और शिक्षा देकर अच्छे रोजगार के मौके दिए जाएं और दिल्ली उद्योग और स्टार्टअप्स की पहचान के तौर पर विकसित करने का हमारी सरकार का संकल्प है। उन्होंने कहा कि पहले दिल्ली रोजगार हब हुआ करती थी, लेकिन पिछले कुछ सालों में दिल्ली की इंडस्ट्री कमजोर हुई है, नए अवसर बंद हो गए हैं और यह युवाओं के लिए गंभीर चुनौती बन गई है। मिश्रा ने कहा कि दिल्ली सरकार केंद्र सरकार

के साथ मिलकर रोजगार और इंडस्ट्री को पुनर्जीवित करने के लिए ठोस एक्शन प्लान पर काम कर रही है। युवाओं को बेहतर अवसर, बेहतर ट्रेनिंग और बेहतर स्किल्स प्रदा करने की दिशा में सरकार काम कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार युवाओं को प्रोत्साहित करते हैं और आने वाले समय में दिल्ली में रोजगार के परिदृश्य में सकारात्मक बदलाव अवश्य होगा। मिश्रा ने यह भी बताया कि सरकार विशेष रूप से पॉल्यूशन-फ्री इंडस्ट्रीज, सर्विस इंडस्ट्री, एवीजीसी (एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स), मॉडर्न टेक्नोलॉजी आधारित इंडस्ट्रीज़ और पर्यटन क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में इन क्षेत्रों का अपार पोटेंशियल मौजूद है और इन्हें बढ़ावा देने से युवाओं को रोजगार के व्यापक अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली देश के सबसे प्रतिभाशाली युवाओं का केंद्र है और यहां का शिक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर भी बेहद मजबूत है। केवल पिछले 10-15 वर्षों में एक गैप उत्पन्न हुआ है जिसे भरने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी प्राथमिकता युवाओं के सपनों को पूरा करना है और सरकार इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी, जॉब-सीकर्स और कॉर्पोरेट प्रतिनिधि मौजूद रहे। मेले में विभिन्न सेक्टर्स की नामी कंपनियों और स्टार्टअप्स ने भाग लिया और युवाओं को रोजगार व इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किए। इस आयोजन के माध्यम से युवाओं को सीधे नियोक्ताओं से संवाद करने और रोजगार के नए विकल्प तलाशने का अवसर मिला। इस कार्यक्रम में फिक्की लेडीज़ ऑर्गेनाइज़ेशन की प्रतिनिधि नीता एवं पूनम शर्मा भी उपस्थित रहीं। फिक्की लेडीज़ ऑर्गेनाइज़ेशन की यह पहल महिलाओं और युवाओं के लिए रोजगार तथा कौशल विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक ठोस प्रयास है।

दिल्ली विधानसभा 'ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस' के लिए तैयार : विजेंद्र गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ 24-25 अगस्त को होने वाली 'ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस' की तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। यह ऐतिहासिक आयोजन न केवल विट्ठलभाई पटेल की विरासत को सम्मान देता है बल्कि लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत करने एवं शासन में जवाबदेही बढ़ाने के हमारे संकल्प को भी दोहराता है। ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस के सम्मेलन में विट्ठलभाई पटेल की स्मृति में एक विशेष प्रदर्शनी रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा उद्घाटित की जाएगी, जिसमें दुर्लभ अभिलेख, तस्वीरें और संसदीय विकास की

झलक प्रस्तुत की जाएगी। दिल्ली विधानसभा 24-25 अगस्त को पहली बार ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस और विट्ठलभाई पटेल की जयंती के शताब्दी समारोह की मेजबानी करेगी। इसमें देशभर से विधानसभाओं और राज्य विधान परिषदों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल होंगे। मुख्य वक्ताओं में राज्यसभा उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, किरेन रिजिजू, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार सहित अन्य अतिथि शामिल हैं। दो दिवसीय के इस सम्मेलन में विधानसभाओं के संचालन, बेहतर कार्य-प्रणाली, डिजिटल तकनीकों और एआई आधारित उपकरणों के उपयोग जैसे विषयों पर विचार-विमर्श होगा ताकि पारदर्शिता, दक्षता और जनता से जुड़ाव को और मजबूत किया जा सके।

संपादकीय

वैज्ञानिक आत्मनिर्भरता और तकनीकी क्षमता का प्रतीक:- अग्नि-5 का सफल परीक्षण

20 अगस्त 2025 को भारत ने ओडिशा के चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज से अग्नि-5 का सफल परीक्षण किया है। वास्तव में यह भारत की एक बड़ी उपलब्धि है। कहना गलत नहीं होगा कि इस परीक्षण ने भारत की सामरिक क्षमता में वृद्धि और विश्वसनीय न्यूनतम निरोध (क्रेडिबल मिनिमम डेटेरेंस) बनाए रखने के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया है। पाठकों को बताता चलूं कि एमआईआरवी तकनीक(मल्टी अड्डे क्षमता) वाली अग्नि-5 मिसाइल कई ठिकानों पर हमला करने के साथ ही उसे पलक झपकते ही तबाह कर सकता है। दूसरे शब्दों में कहें तो एमआईआरवी क्षमता एक ही मिसाइल से एक से अधिक लक्ष्यों पर प्रभाव डालने की क्षमता है, जिससे दुश्मन की विरोधी रणनीतियों का मुकाबला कारगर ढंग से किया जा सकता है। यह मिसाइल आईसीबीएम / इंटर-मीडियाट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल श्रेणी की है,जिसकी रेंज 5,000झ8,000 किमी तक; हालिया वेरिएंट लगभग 7,000 किमी क्षमता के साथ भी रिपोर्ट की गई है।सरल शब्दों में कहें तो इस मिसाइल की मारक क्षमता 5,000 किलोमीटर से अधिक है तथा इसे 8,000 किलोमीटर तक बढ़ाया जा सकता है। अमेरिका को छोड़कर पूरे एशिया, अफ्रीका और यूरोप को निशाना बनाया जा सकता है। कहना गलत नहीं होगा कि चीन और पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों की भारत के इस मिसाइल परीक्षण ने नींद उड़ाई दी है।पश्चिमी देशों की रणनीतिक नजर भी इस पर है, क्योंकि भारत के पास अब अपनी आईसीबीएम क्षमता है।इसकी प्रणाली की यदि हम यहां पर बात करें तो इसमें तीन-स्तरीय ठोस ईंधन, सड़क-मोबाइल, कैनिस्टर आधारित लॉन्चर मौजूद है तथा वारहेड क्षमता लगभग 1,500झ1,650 किलोग्राम है।सरल शब्दों में कहें तो रोड-मोबाइल लॉन्चर से इसका(अग्नि-5) का प्रक्षेपण आसानी से हो सकता है तथा यह स्वदेशी तकनीक पर आधारित है। पाठकों को बताता चलूं कि परीक्षण के दौरान समुद्र में तैनात जहाजों, राडारों ने मिसाइल की उड़ान का वास्तविक समय में आकलन किया है।एमआईआरवी तकनीक समर्थित एक मिसाइल से कई स्वतंत्र लक्ष्य निशान किए जा सकते हैं।इसकी गति या स्पीड लगभग मैक 24 (प्त29,400 किमी/घंटा) है, यानी कि आवाज की गति से 24 गुना ज्यादा। इसमें आरएलजी-आइएनएस यानी कि रिंग लेजर जिनरोस्कोपझइर्शियल नेविगेशन सिस्टम तथा मल्टी जीएनएसएस यानी कि ग्लोबल नेविगेशन सेटेलाइट सिस्टम लगा है। अग्नि-5 मिसाइल के वजन और आकार की यदि हम यहां पर बात करें तो अग्नि-5 मिसाइल की लंबाई 17 मीटर और चौड़ाई 2 मीटर है तथा इसका वजन करीब 50 टन है। कहना गलत नहीं होगा कि इस मिसाइल के परीक्षण के साथ ही भारत अब उनसे देशों की सूची में शामिल हो गया है जिनके पास एमआईआरवी-युक्त आईसीबीएम है, जैसे कि अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस आदि। दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है कि अग्नि-5 के परीक्षण से भारत अब उन चुनिंदा देशों के क्लब में शामिल हो गया है, जिनके पास आईसीबीएम क्षमता है। आईसीबीएम का मतलब है अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल(इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल)। पाठकों को बताता चलूं कि इनकी रेंज 5000 किलोमीटर से अधिक होती है। डीआरडीओ द्वारा विकसित यह मिसाइल भारत की रक्षा अनुसंधान ताकत और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। पाठकों को बताता चलूं कि इस मिसाइल (अग्नि-5) के सफल परीक्षण के साथ ही अब भारत की जद में पाक-चीन के साथ आधी दुनिया आ गई है और भारत की यह सबसे लंबी दूरी की मिसाइल है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह मिसाइल अधिकतम 600 किमी. की ऊंचाई पर जा सकती है। अंत में यही कहूंगा कि अग्नि-5 मिसाइल के सफल परीक्षण ने न सिर्फ. भारत की रक्षा क्षमता को नई ऊँचाई दी है। कई देशों की नींद उड़ा दी है। वास्तव में यह हमारे देश की वैज्ञानिक आत्मनिर्भरता और तकनीकी क्षमता का प्रतीक है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आत्मनिर्भरता (आत्मनिर्भर भारत) और ह्यसस्ता, टिकाऊ, शक्तिशाली उत्पाद –दाम कम, दम ज्यादा – के सिद्धांत पर जोर देते आए हैं, जिससे मेक इन इंडिया को और मजबूती मिले।अग्नि-5 का परीक्षण इसी दिशा में भारत का एक बड़ा,सफल व सशक्त व विकसित भारत का प्रयास है।

विपक्ष की चरित्र हनन और संवैधानिक संस्थाओं पर हमले वाली सियासत

अजय कुमार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जिन्हें उनके शुभचिंतक अक्सर भारत के पुनर्जनन के अडिग रचनाकार के रूप में चित्रित करते हैं, उन्होंने जब से सत्ता संभाली है, वह विपक्ष की तमाम साजिशों के ह्यतूफानह्ल के केंद्र में खड़े हैं। उनके आलोचक, मुख्य रूप से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और उसके सहयोगी, ने उनकी छवि को धूमिल करने के लिए आरोपों का एक जाल बुना है, जो उन्हें भ्रष्टाचार-मुक्त और राष्ट्र के प्रति समर्पित नेता के रूप में कमजोर करने की कोशिश करता है। यह केवल राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता नहीं है; कुछ इसे एक सुनियोजित साजिश के रूप में देखते हैं, जिसका उद्देश्य संवैधानिक संस्थाओं को कीचड़ में घसीटकर और उन्हें सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कठपुतली बताकर मोदी में जनता का विश्वास तोड़ना है। विपक्ष की रणनीति, जो चुनावी असफलताओं के बाद हताशा से भरी है, में लगातार आरोप लगाना शामिल है, जो मोदी को लोकतंत्र के स्तंभों, जैसे चुनाव आयोग (ईसी) से लेकर सीबीआई और ईडी जैसी जांच एजेंसियों तक, का हेरफेर करने वाला बताते हैं।

इस कथित साजिश की जड़ें 2014, 2019 और 2024 में मोदी की भारी जीत तक जाती हैं, जिन्होंने विपक्ष को हक्का-बक्का कर दिया। विकास और राष्ट्रवाद पर उनकी अपील का मुकाबला करने में असमर्थ, विपक्ष ने मोदी के चरित्र हनन की रणनीति अपनाई। राफेल सौदे का विवाद इसका उदाहरण है। राहुल गांधी सहित विपक्षी नेताओं ने मोदी पर पक्षपात का आरोप लगाया, दावा किया कि विमान खरीद में उनके उद्योगपति मित्रों को फायदा पहुंचाया गया। अदालतों ने इन दावों को खारिज कर दिया, लेकिन यह साजिश महीनों तक सोशल मीडिया और विदेशी रिपोर्टों के जरिए गूंजती रही। राहुल गांधी इस साजिश के अगुआ थे। इसके बाद विपक्ष, खासकर राहुल गांधी ने 2023 में हिंडनबर्ग रिसर्च की अदानी समूह पर रिपोर्ट का सहारा लिया, जिसमें स्टॉक हेरफेर का आरोप लगाया गया और मोदी सरकार को जोड़ा गया, जिससे संसद में हंगामा हुआ। विपक्षी नेताओं ने जांच की मांग की, यह संकेत देते हुए कि मोदी अपने मित्रों को बचा रहे हैं, जबकि प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ एजेंसियों को हथियार बनाया जा रहा है। भाजपा प्रवक्ताओं ने इसका जवाब दिया कि यह एक विदेशी-प्रायोजित स्मीयर कैंपेन है, जिसमें सेबी की अध्यक्ष मधबी पुरी बुच ने आरोपों को निराधार और चरित्र हनन का प्रयास बताया। फिर भी, विपक्ष ने इसे व्यापक साजिश के साथ जोड़कर मोदी की स्वच्छ छवि पर हमला जारी रखा। इस रणनीति का केंद्र संवैधानिक संस्थाओं पर हमला है। विपक्ष ने बार-बार ईडी और सीबीआई को पिंजरे का तोता करार दिया, यह आरोप लगाते हुए कि वे मोदी के नियंत्रण में हैं। 2023 में, 14 विपक्षी दलों ने इन एजेंसियों के दुरुपयोग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिसमें मनीष सिसोदिया और हेमंत सोरेन जैसे नेताओं की गिरफ्तारी को बदले की राजनीति बताया।

ऑनलाइन गेमिंग बिल : मनोरंजन, रोजगार और सामाजिक ज़िम्मेदारी के बीच संतुलन की तलाश

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में डिजिटल क्रांति के बाद से मोबाइल और इंटरनेट ने जिस तरह लोगों के जीवन को प्रभावित किया है, उसमें ऑनलाइन गेमिंग का संसार सबसे अधिक आकर्षक और विवादित रहा है। स्मार्टफोन की बढ़ती पहुँच, तेज इंटरनेट और युवाओं के बीच डिजिटल प्लेटफॉर्म की लोकप्रियता ने इस क्षेत्र को तेजी से विस्तार दिया है। लेकिन जहाँ एक ओर ई-स्पोर्ट्स और कौशल-आधारित खेलों ने भारत को विश्व मानचित्र पर जगह दिलाई है, वहीं दूसरी ओर पैसे के दाँव पर खेले जाने वाले खेल, बेटिंग ऐप्स और जुए जैसी प्रवृत्तियों ने समाज और सरकार दोनों को चिंतित किया है। इसी पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार ने हाल ही में ऑनलाइन गेमिंग बिल को मंजूरी दी है। यह बिल न केवल आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि भविष्य में भारत की डिजिटल नीति की दिशा भी तय करेगा।

यह बिल स्पष्ट रूप से कहता है कि कोई भी वास्तविक धन पर आधारित गेमिंग या ऑनलाइन सट्टेबाजी प्रतिबंधित होगी। इसके साथ ही ऐसे खेलों के विज्ञापन, प्रचार और वित्तीय लेन-देन पर भी रोक लगाने का प्रावधान है। इसका सीधा मतलब है कि बैंक और वित्तीय संस्थान किसी भी रूप में ऐसे खेलों से जुड़े लेन-देन को प्रोसेस नहीं करेंगे। इस प्रावधान से सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि पैसे के लालच में जुए जैसी प्रवृत्तियाँ समाज में न फैलें।

परंतु इस बिल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह ई-स्पोर्ट्स और कौशल-आधारित गैर-आर्थिक गेमिंग को बढ़ावा देता है। सरकार ने साफ किया है कि उसे खेल के रूप में ई-स्पोर्ट्स को प्रोत्साहित करना है। आने वाले समय में नेशनल ई-स्पोर्ट्स अथॉरिटी जैसी संस्था की स्थापना की जा सकती है, जो ई-स्पोर्ट्स को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधि बनाने की दिशा में काम करेगी। यह कदम न केवल डिजिटल खेलों को वैधता देगा बल्कि उन लाखों युवाओं को भी अवसर देगा जो गेमिंग को कैरियर बनाना चाहते हैं।

इस बिल का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसके तहत सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को केंद्रीय नियामक की भूमिका सौंपी गई है। मंत्रालय को यह अधिकार होगा कि वह गैर-पंजीकृत या अवैध गेमिंग प्लेटफॉर्म को ब्लॉक कर सके। यह व्यवस्था उपभोक्ताओं को धोखाधड़ी और अवैध गतिविधियों से बचाने के उद्देश्य से की गई है। भारत में अब तक ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े नियम अलग-अलग राज्यों में अलग थे। कहीं इसे वैध माना गया तो कहीं प्रतिबंधित। ऐसे में एक राष्ट्रीय स्तर की रूपरेखा बनाना समय की मांग थी।

यह बिल केवल नियम-कानून का दस्तावेज नहीं है बल्कि इसके पीछे गहरे सामाजिक और मनोवैज्ञानिक कारण भी हैं। पिछले कुछ वर्षों में देखा गया है कि ऑनलाइन बेटिंग और वास्तविक धन से जुड़े खेलों की लत ने कई युवाओं की ज़िंदगियाँ बर्बाद कर दी हैं। कई मामलों में लोगों ने कर्ज. लेकर खेला और परिवार तबाह हो गए। बच्चों में भी मोबाइल गेम्स की लत मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डाल रही है। सरकार को यह भी एहसास है कि इस समस्या को रोकना उतना ही जरूरी है जितना मादक पदार्थों की लत को रोकना। कई विशेषज्ञों ने तो इसे नशे से भी खतरनाक बताया है क्योंकि यह बिना किसी भौतिक पदार्थ के सीधे दिमाग पर नियंत्रण कर लेती है।

हालाँकि उद्योग जगत का पक्ष बिल्कुल अलग है। गेमिंग इंडस्ट्री का कहना है कि इस बिल से लगभग दो लाख नौकरियों पर खतरा मंडराने लगा है और सरकार को हर साल मिलने वाले बीस हजार करोड़ रुपये के जीएसटी राजस्व पर भी असर पड़ सकता है। ड्रीम11, गेम्स247, विन्जो जैसी कंपनियाँ लंबे समय से करोड़ों रुपये का कारोबार कर रही हैं। उनका कहना है कि यदि घरेलू प्लेटफॉर्म को पूरी तरह रोक दिया गया तो उपयोगकर्ता विदेशी और ऑफशोर प्लेटफॉर्म की ओर रुख करेंगे, जहाँ न तो सरकार का कोई नियंत्रण होगा और न ही उपभोक्ताओं की सुरक्षा। इससे उल्टा नुकसान ही होगा।

इस बहस में दोनों पक्षों की अपनी-अपनी दलीलें हैं। सरकार का तर्क है कि समाज को जुए और नशे की लत से बचाना जरूरी है, वहीं उद्योग जगत मानता है कि यह क्षेत्र देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा है और इसे खत्म करना युवाओं के रोजगार और नवाचार दोनों के लिए नुकसानदायक होगा। असली चुनौती यही है कि सही संतुलन कैसे कायम किया जाए।

बिल के समर्थकों का कहना है कि इस कदम से न केवल सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित होगी बल्कि युवाओं की ऊर्जा सही दिशा में लगेगी। ई-स्पोर्ट्स को प्रोत्साहन देकर भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीत सकता है, जैसा कि हमने बैडमिंटन, कुश्ती या क्रिकेट में देखा है। इसके अलावा गैर-आर्थिक गेम्स को बढ़ावा देने से बच्चों का मनोरंजन भी सुरक्षित दायरे में रहेगा।

दूसरी ओर आलोचकों का मानना है कि सरकार को पूर्ण प्रतिबंध की बजाय कड़े नियमन का रास्ता चुनना चाहिए था। यदि धन-आधारित गेमिंग को लाइसेंस प्रणाली और कड़े कराधान के तहत नियंत्रित किया जाता तो न केवल सरकार को राजस्व मिलता बल्कि उपभोक्ताओं की सुरक्षा भी बनी रहती। पूरी तरह प्रतिबंध लगाने से समस्या यह है कि लोग भूमिगत या विदेशी प्लेटफॉर्म की ओर भागेंगे और सरकार का नियंत्रण और भी कमजोर हो जाएगा।

यह बहस केवल भारत तक सीमित नहीं है। विश्व के कई देशों में ऑनलाइन गेमिंग को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण हैं। अमेरिका और यूरोप के कई हिस्सों में इसे सख्त नियमों और टैक्स प्रणाली के तहत वैध किया गया है। वहीं चीन जैसे देशों ने बच्चों के लिए गेमिंग के समय पर ही पाबंदी लगा दी है। भारत ने अब तक इस दिशा में कोई स्पष्ट राष्ट्रीय नीति नहीं बनाई थी, यही कारण है कि राज्यों के स्तर पर भ्रम और असमानता बनी रही।

अब सवाल यह उठता है कि आगे क्या होगा? यह बिल लोकसभा में पेश किया जाएगा और संभव है कि इसमें संशोधन हों। उद्योग जगत की चिंताओं को देखते हुए सरकार कुछ नरमी दिखा सकती है। उदाहरण के लिए फैंटेसी स्पोर्ट्स को कौशल-आधारित खेल मानकर सीमित अनुमति दी जा सकती है। इसी तरह कराधान और नियमन के जरिए सरकार और उद्योग के बीच समझौता हो सकता है।

परंतु एक बात तय है कि यह बिल भारत की डिजिटल यात्रा का अहम पड़ाव है। यह देश को यह सोचने पर मजबूर करता है कि तकनीक और समाज का संतुलन कैसे बनाया जाए। तकनीक अपने आप में न अच्छी है न बुरी, उसका इस्तेमाल उसे अच्छा या बुरा बनाता है। यदि ऑनलाइन गेमिंग युवाओं को कैरियर, रोजगार और अंतरराष्ट्रीय पहचान दे सकती है तो यह सकारात्मक है। लेकिन यदि वही गेमिंग परिवारों को तोड़ दे, युवाओं को कर्ज. में डुबो दे और अपराध को बढ़ावा दे, तो यह खतरनाक है।

इसलिए जरूरी है कि सरकार, उद्योग, समाज और परिवार झ सभी मिलकर समाधान निकालें। अभिभावकों को बच्चों पर नजर रखनी होगी, शिक्षा संस्थानों को डिजिटल साक्षरता सिखानी होगी, उद्योग जगत को आत्मनियंत्रण और पारदर्शिता अपनानी होगी और सरकार को नियमन और प्रोत्साहन के बीच संतुलन बनाना होगा।

ऑनलाइन गेमिंग बिल केवल एक कानून नहीं है, यह हमारे समाज के भविष्य की रूपरेखा है। यह हमें यह सोचने पर विवश करता है कि क्या हम डिजिटल क्रांति को सिर्फ मनोरंजन और जुए का साधन बनने देंगे या इसे शिक्षा, रोजगार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का अवसर बनाएँगे। आने वाले वर्षों में यह बिल किस रूप में लागू होगा और समाज पर इसका क्या असर पड़ेगा, यह देखने वाली बात होगी। लेकिन एक बात स्पष्ट है कि यह बहस भारत के हर घर तक पहुँचेगी, क्योंकि मोबाइल और इंटरनेट अब हर जेब में है और गेमिंग हर उम्र की पसंद।

क्या इसी तरह हम हमेशा डूबते रहेंगे ?

अशोक भाटिया

एक दशक पहले, राज्य और विशेष रूप से राजधानी मुंबई अत्यधिक बारिश से रो रही थी। लेकिन हम यह साबित करने का एक भी मौका नहीं छोड़ते हैं कि हमारे पास संकट से सीखने की बुद्धि नहीं है। पिछले तीन दिनों की बारिश ने दिखाया है कि यह अत्यधिक वर्षा नहीं है और यह अघोरी नहीं है। वर्तमान 24 घंटों में, मुश्किल से 300 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। दस साल पहले, 2015 में, मुंबई में 1500 मिमी बारिश हुई थी। हमारी प्रगति इतनी जोरदार रही है कि 300 मिमी वर्षा भी मुम्बई, जो कि एक महानगर, देश की वित्तीय राजधानी आदि है, के नाक और मुंह से पानी पोंछने के लिए पर्याप्त है और 74000 करोड़ बजट वाली मुंबई बरसात में डूब गई!

यह सिर्फ अभी नहीं है। तीन महीने पहले, मई में, जब बारिश ने हमारी प्रशासनिक गरीबी को प्रभावित किया, तो मुंबई 300-400 मिमी बारिश में झुक गई। पुणे अलग नहीं है। नव स्थापित नवी मुंबई की वास्तविकता अलग क्यों है? मुंबई की तरह, पुणे में 28 नए कभी न खत्म होने वाले स्थानों पर बाढ़ आ गई, जबकि नवी मुंबई का क्षेत्र, जिसे लाडाकोडा में सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट (सीबीडी) कहा जाता है, भी जलमग्न हो गया। अकेले ह्यस्मार्ट शहरोंह्ल को छोड़ दें; लेकिन पुणे में, जहां पीने के पानी के लिए लड़ाई हुई थी, पानी अब घुटने से ऊपर जमा हो रहा है। साइकिलों के इस शहर की सड़कें, फिर दोपहिया वाहन, कारों के ट्रैफिक से बहने लगी हैं। चलो अन्य मामलों में चलते हैं, लेकिन नागरिक असुविधा और शहर की उदासीनता के मामले में, पुणे को यह स्वीकार करना होगा कि पुणे ने मुंबई की बराबरी कर ली है! नासिक, औरंगाबाद, नागपुर या कोल्हापुर जैसे अन्य शहरों में इन दो दिनों में मुंबई और पुणे जैसी बारिश नहीं हुई। अन्यथा, इन शहरों के चेहरे इन दो महानगरों से अलग नहीं हैं। बारिश ने मराठवाड़ा और कोंकण में कहर बरपाया है, विशेष रूप से मराठवाड़ा में नारंगी और मोसंबी के बाग और दोनों क्षेत्रों में खड़ी फसल। प्रारंभिक अनुमानों के अनुसार, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य में लगभग 12-14 लाख हेक्टेयर भूमि पर फसलों को नुकसान पहुंचाया है। नुकसान बहुत बड़ा है। कुछ जगहों पर तो कृषि भूमि भी सचमुच बह गई है। महानगरों और शहरों में जनजीवन में व्यवधान और ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि भूमि के नुकसान को अगर हम गिन लें तो ये आंकड़ा निश्चित रूप से कुछ हजार करोड़ तक जाएगा। सरकार को जनहानि की भरपाई नहीं करनी है। लेकिन फसलों के नुकसान की भरपाई सरकार को करनी है। फसल बीमा योजना में हाल के बदलावों ने मूल रूप से इस योजना के प्रति किसानों की प्रतिक्रिया को कम कर दिया है। नुकसान की जिम्मेदारी सरकार को लेनी होगी। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अगर नुकसान का आकलन और भरपाई करनी होगी तो यह संख्या बहुत बड़ी होगी।

यह सर्वविदित है कि महाराष्ट्र में प्रवासियों की संख्या बढ़ रही है। गांवों से अर्ध-शहरी क्षेत्रों और शहरों में प्रवास भी बढ़ रहा है। इसलिए, शहरी बस्तियों के लिए अधिक से अधिक भूमि का उपयोग किया जा रहा है। शहरी बस्तियां सिर्फ घर, सड़क, पानी की आपूर्ति, सीवेज प्रबंधन आदि नहीं हैं।बिजली आपूर्ति जैसी कई सुविधाएं हैं। इन प्रणालियों को बदलती जीवन शैली के साथ अद्यतित होने की आवश्यकता है। दुर्भाग्य से, वे ऐसे नहीं दिखते। यदि वे नहीं थे, तो शिकायत करने के लिए कुछ भी नहीं है। लेकिन अगले 50 वर्षों के लिए नए लोगों की योजना नहीं बनाई जा रही है। उनकी गुणवत्ता का सवाल एक और मामला है। दो या तीन दिनों की भारी बारिश या बादल फटने से अक्सर पता चला है कि इन प्रणालियों के डिजाइन के वैज्ञानिक पहलुओं का सख्ती से पालन नहीं किया जाता है। कभी-कभी पीरियड लंबा होता जा रहा है, कहां घट रहा है। भले ही बारिश की मात्रा समान हो, लेकिन बहुत कम समय में हर साल तेज बारिश होने लगी है। इसे हम सिर्फ ह्यबादल फटनाह्ल कहते हैं। अगर यह हर साल कहीं हो रहा है, तो हम इसके बारे में कितनी शिकायत करेंगे? और कितनी बार हम अपने शहर नियोजन असुरक्षा के लिए एक ही कारण का हवाला देंगे? प्रकृति का चक्र अभी पूरी तरह से मनुष्य के हाथ में नहीं है। इसलिए, हमें अपना जीवन बदलना होगा, हमें योजना में आवश्यक परिवर्तन करना होगा। हमें यह ध्यान रखना होगा कि तीव्र वर्षा अगला ह्यनया सामान्यह्ल है। हमें नए समाधान खोजने होंगे। पिछले दस वर्षों में, उस संबंध में कोई बदलाव नहीं हुआ है। विभाग, शहरी विकास-ग्रामीण विकास विभाग और शहरी नियोजन विभाग को चुनौती स्वीकार करनी होगी और विशेषज्ञों की मदद लेनी होगी। मूल रूप से, जनप्रतिनिधियों और संस्थानों और सरकार के बिना काम करने वाले इस क्षेत्र के विशेषज्ञों को केवल निविदा और ह्यसुप्रामाह्ल में शामिल प्रणाली को जागृत करना होगा।

जलवायु परिवर्तन पर चर्चा की जाती है, लेकिन स्थानीय समाधानों के लिए बहुत कुछ नहीं हो रहा है। जलवायु परिवर्तन केवल सेमिनारों और सेमिनारों का विषय नहीं है। पिछले दो दिनों में कोंकण, मुंबई-ठाणे-पुणे, मराठवाड़ा और महाराष्ट्र के कुछ अन्य हिस्सों में जीवन की गिरावट का कारण जलवायु परिवर्तन भी है ह्लपरिवर्तनह्ल कहने का कारण यह है कि हम शहर नियोजन में ध्यान रखना भूल गए हैं। शहर मुर्गियों की तरह लगते हैं जो हमें केवल सोने के अंडे देते हैं। ह्यफ्लोटिंग मैट एरियाह्ल, ह्यहवा में काल्पनिक इलाकेह्ल, और इसकी बढ़ती मात्रा शहर नियोजन के मूल में आ गई है। अवास्तविक भूमि की कीमतें और परिणामस्वरूप भूमि चोरी की प्रथाएं न केवल महानगरों और शहरों में, बल्कि गांवों में भी, नदियों और धाराओं पर अतिक्रमण, नदी तल में निर्माण के लिए जिम्मेदार हैं। बेहिसाब सीमेंटेशन, जो पर्यावरण के लिए हानिकारक है, क्षति के लिए जिम्मेदार है। यह सिर्फ किसी की जेब भरने का सवाल नहीं है। सामान्य, या असामान्य; यह एक दिन सभी के जीवन के साथ आएगा। यह केवल एक प्रस्तावना है। अगली त्रासदी को समझना बुद्धिमानी है।

कीर्तिमान अमित शाह का,पर चुनौतियां अब भी हैं

विवेक शुक्ला

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह जब राजधानी में अपने 6-ए कृष्ण मेनन मार्ग के सरकारी आवास से नॉर्थ एवेन्यू के अपने दफ्तर में जा रहे होते होंगे तो उनके जेहन में जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर राज्यों में स्थायी शांति, नक्सली समस्या, साइबर अपराध, विदेशी नागरिकों की देश में घुसपैठ जैसे बहुत सारे गंभीर मसले चल रहे होते होंगे। उन्हें इस बात का संतोष भी होता होगा कि उनकी कोशिशों के चलते जम्मू-कश्मीर से संविधान के अनुच्छेद 370 को हटा दिया गया। संयोग देखिए कि अमित शाह उसी सरकारी आवास में रहते हैं, जहां पर एक दौर में महान आर्किटेक्ट हरबर्ट बेकर रहते थे जिन्होंने नॉर्थ ब्लॉक का डिजाइन बनाया था।

अमित शाह ने बीती 5 अगस्त को भारत के सबसे लंबे समय तक गृह मंत्री के रूप में सेवा देने का कीर्तिमान स्थापित किया, जब उन्होंने 2,258 दिनों के कार्यकाल के साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी के 2,256 दिनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। 30 मई, 2019 को गृह मंत्रालय का कार्यभार संभालने के बाद से, अमित शाह ने अपने दृढ़ नेतृत्व, रणनीतिक दृष्टिकोण और निर्णायक फैसलों के माध्यम से भारत की आंतरिक सुरक्षा, कानून व्यवस्था और राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव लाए हैं। उनका दफ्तर वहां पर ही है, जहां पर सरदार पटेल और लाल कृष्ण आडवाणी जैसे नेता गृह मंत्री के रूप में काम करते थे। बेशक, ये दोनों अमित शाह को प्रेरणा देते हैं।

धारा 370 और 35अ का निरस्तीकरण

जरा याद करें 5 अगस्त, 2019 को। अमित शाह के कार्यकाल की सबसे महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक उपलब्धि 5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर से धारा 370 और 35अ को हटाना ही थी। यह फैसला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की लंबे समय से चली आ रही विचारधारा को साकार करने वाला था। धारा 370 जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा प्रदान करती थी, जिसके तहत राज्य का अपना संविधान, झंडा और स्वायत्तता थी। यह प्रावधान जम्मू-कश्मीर को शेष भारत से अलग करता था और राष्ट्रीय एकीकरण में बाधा उत्पन्न करता था। शाह ने राज्यसभा में ह्यजम्मू और कश्मीर पुनर्गठन विधेयक, 2019ह्ल पेश किया, जिसके तहत जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों–जम्मू-कश्मीर और लद्दाख–में विभाजित किया गया।बेशक, धारा 370 के निरस्त होने से जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और अलगाववाद पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ। उनके कार्यकाल में जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं में 70% से अधिक की कमी दर्ज की गई। 2024 में पत्थरबाजी की कोई घटना नहीं हुई, और पिछले 33 वर्षों में सबसे अधिक मतदान दर्ज किया गया।

नक्सलवाद पर प्रभावी नियंत्रण

नक्सलवाद, जिसे वामपंथी उग्रवाद के रूप में भी जाना जाता है, दशकों से भारत के लिए एक गंभीर आंतरिक सुरक्षा चुनौती रहा है। अमित शाह ने नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए एक बहुआयामी रणनीति अपनाई, जिसके परिणामस्वरूप इस समस्या पर अभूतपूर्व नियंत्रण स्थापित हुआ। उन्होंने 31 मार्च, 2026 तक भारत को नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त करने का लक्ष्य रखा है, और इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। अमित शाह की रणनीति चार स्तरों पर आधारित थी। पहला, नक्सलियों के खिलाफ सख्त और निर्मम कार्रवाई। इसके लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और राज्य पुलिस बलों का प्रशिक्षण और एकीकरण किया गया। आधुनिक हथियारों, जैसे लंबी दूरी की असॉल्ट राइफल्स, का उपयोग करके सुरक्षा बलों की क्षमता को बढ़ाया गया। दूसरा, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की पहुंच बढ़ाने के लिए 302 नए फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस स्थापित किए गए, और 612 फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन बनाए गए। तीसरा, आधुनिक तकनीक का उपयोग, जिसमें ड्रोन, सैटेलाइट इमेजिंग, और कृत्रिम बुद्धिमत्ता शामिल हैं, ने नक्सलियों की गतिविधियों पर नजर रखने और हमलों को रोकने में मदद की। चौथा, नक्सल मुक्त क्षेत्रों में विकास योजनाओं को लागू करना, ताकि लोग हिंसा की ओर न लौटें।इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 2014 में 126 से घटकर 2025 तक केवल 12 रह गई।

पूर्वोत्तर भारत में शांति स्थापना और विकास अमित शाह के कार्यकाल की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि रही है। उन्होंने इस क्षेत्र में 12 शांति समझौतों पर हस्ताक्षर कराए, जिसके परिणामस्वरूप 10,000 से अधिक उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया। शाह ने पूर्वोत्तर में शांति स्थापना के लिए कई कदम उठाए। असम और त्रिपुरा जैसे राज्यों में भाजपा की जीत में उनकी रणनीति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने उग्रवादी समूहों के साथ बातचीत को बढ़ावा दिया और शांति समझौतों के माध्यम से स्थानीय समुदायों का विश्वास जीता। इसके अलावा, पूर्वोत्तर में बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया।

अमित शाह ने देश की आपराधिक न्याय प्रणाली में ऐतिहासिक सुधार किए। 2023 में, उन्होंने औपनिवेशिक युग के कानूनों–भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता, और साक्ष्य अधिनियम–को बदलकर तीन नए कानून पेश किएः भारतीय न्याय संहिता , भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम। ये कानून 1 जुलाई, 2024 से लागू हुए।

अमित शाह की चाहत है कि देश में नशीले पदार्थों का धंधा करने वालों पर चाबुक चले।

पाकिस्तान के फील्ड मार्शल मुनीर पहुंचे तुर्बत, बलोचिस्तान के हालात लिया जायजा

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सेना प्रमुख (सीओएएस) फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने अशांत प्रांत बलोचिस्तान के तुर्बत की यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री सरफराज बुगती और तुर्बत नागरिक प्रशासन के प्रतिनिधियों से बातचीत कर प्रांत के हालात का जायजा लिया। डॉन अखबार ने यह जानकारी रेडियो पाकिस्तान द्वारा प्रसारित रिपोर्ट के हवाले से दी है। डॉन के अनुसार, यात्रा के दौरान मुनीर ने बलोचिस्तान की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के उद्देश्य से किए जा रहे प्रयासों में सेना के अटूट समर्थन की पुष्टि की। अधिकारियों के अनुसार, संघीय सरकार ने कई बार बलोचिस्तान के विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। इस में बुनियादी ढांचे की भारी कमी है। यहां कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब है। जून में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इसे अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक बताया था। फील्ड मार्शल मुनीर ने स्थिति में बदलाव के लिए नागरिक-सैन्य संयुक्त प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सेना की कोशिश सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति को पटरी पर लाना है। मुनीर ने इस अवसर पर सैनिकों से भी बातचीत की। उल्लेखनीय है कि पिछले माह बलोचिस्तान कैबिनेट ने सुरक्षा बढ़ाने के मकसद से नए पुलिस थानों की स्थापना की घोषणा की है।

वियतनाम की उपराष्ट्रपति नेपाल की राजकीय यात्रा पर काठमांडू पहुंचीं

काठमांडू। वियतनाम की उपराष्ट्रपति वो थी आन्ह शुआन नेपाल की तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर काठमांडू पहुँचीं। नेपाल के उपराष्ट्रपति रामसहाय यादव के मैत्रीपूर्ण निमंत्रण पर वियतनाम की उपराष्ट्रपति का त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर विदेश मंत्री डा आरजू राणा और वरिष्ठ नेपाली अधिकारियों ने स्वागत किया।वियतनाम के तरफ से नेपाल की यह पहली उच्चस्तरीय यात्रा है। उपराष्ट्रपति शुआन 25 अगस्त को स्वदेश लौटेंगी। मंत्रालय ने बताया कि यात्रा के दौरान उपराष्ट्रपति यादव और उनके समकक्ष शुआन के बीच 24 अगस्त को काठमांडू में प्रतिनिधिमंडल स्तर की द्विपक्षीय बैठक होगी। उपराष्ट्रपति शुआन अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली के साथ अलग-अलग शिष्टाचार मुलाकात करेंगी। वियतनाम के उपराष्ट्रपति की यह नेपाल यात्रा विशेष महत्व रखती है क्योंकि यह नेपाल और वियतनाम के बीच राजनयिक संबंध स्थापना की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर हो रही है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री डार बांग्लादेश की यात्रा पर

इस्लामाबाद/ढाका। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार आज बांग्लादेश की दो दिवसीय यात्रा पर ढाका पहुंचेंगे। विदेश कार्यालय ने एक्स पोस्ट में कहा कि डार रावलपिंडी के नूर खान एयरबेस से रवाना हो गए हैं। पाकिस्तान के अखबार डान के अनुसार, विदेश कार्यालय ने इस बात पर जोर दिया कि देश का कोई विदेश मंत्री लगभग 13 वर्ष के अंतराल के बाद बांग्लादेश का दौरा कर रहा है। इससे पहले नवंबर 2012 में हिना रब्बानी खार ने तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को इस्लामाबाद में होने वाले शिखर सम्मेलन के लिए औपचारिक रूप से आमंत्रित करने के लिए बांग्लादेश की छह घंटे की यात्रा की थी। बांग्लादेश के द डेली स्टार अखबार के अनुसार, पाकिस्तान के विदेश मंत्री डार बांग्लादेश के निमंत्रण पर आज दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर ढाका पहुंचेंगे। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि वह कल सबसे पहले बांग्लादेश के विदेश सलाहकार तौहीद हुसैन से मुलाकात करेंगे। इसके बाद उनका मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस से मुलाकात करने का कार्यक्रम है। इन बैठकों के दौरान द्विपक्षीय संबंधों, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। डार से पहले 21 अगस्त को पाकिस्तान के वाणिज्य मंत्री जाम कमाल खान बांग्लादेश की चार दिवसीय यात्रा पर ढाका में हैं। डार के साथ वह भी राजकीय अतिथि गृह पद्मा में होने वाली द्विपक्षीय बैठक में शामिल होंगे।

ईरान में आतंकी समूह जैश-अल-अदल का गश्ती दल पर हमला, पांच पुलिस अधिकारी की मौत

तेहरान। ईरान के सिस्तान-बलोचिस्तान प्रांत के ईरान शहर के पास दमन इलाके में सशस्त्र आतंकवादियों ने दो सुरक्षा वाहनों पर हमला कर कम से कम पांच पुलिस अधिकारियों की हत्या कर दी। आतंकवादी समूह जैश अल-अदल ने हमले की जिम्मेदारी ली है। समूह ने बयान में कहा कि उसके लड़ाकों ने पुलिस गश्ती दल (फराजा) के मारे गए कर्मियों से हथियार छीन लिए। द बलोचिस्तान पोस्ट की खबर के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हथियारबंद आतंकवादियों ने दमन के मुख्य राजमार्ग से गुजर रहे सुरक्षा काफिले को निशाना बनाया। आतंकवादियों के खून-खराबा करने के बाद ईरान शहर और उसके आसपास खासकर दमन और आस-पास के इलाकों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना और मेहर के अनुसार, दक्षिण-पूर्वी ईरान के खाश-ईरान शहर रोड पर दो पुलिस वाहनों पर शुक्रवार को हुए आतंकी हमले में पांच पुलिस अधिकारी मारे गए। सिस्तान-बलोचिस्तान प्रांत का ईरान शहर शहर प्रांत की राजधानी जाहेदान से 337 किलोमीटर दूर है।

किलमार गार्सिया निर्वासन विवादः कोस्टा रिका डील अस्वीकार, अब युगांडा भेजने की तैयारी

एजेंसी

नैशविल। अमेरिकी आव्रजन अधिकारियों ने संकेत दिया है कि वे किलमार अब्रिगो गार्सिया को युगांडा निर्वासित करने की योजना बना रहे हैं। यह कदम तब सामने आया है जब गार्सिया ने कोस्टा रिका भेजे जाने के बदले जेल में रहने और मानव तस्करी के आरोपों को स्वीकार करने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। यह जानकारी उनकी डिफेंस टीम ने अदालत को दी।

रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार को दिए गए प्रस्ताव में शर्त थी कि गार्सिया कोस्टा रिका भेजे जाने से पहले जेल में रहेंगे और दोष स्वीकार करेंगे। हालांकि, शुक्रवार को रिहाई के बाद अमेरिकी इमीग्रेशन और कस्टम्स एन्फोर्समेंट (आईसीई) ने उनके वकीलों को सूचित किया कि उन्हें युगांडा निर्वासित किया जाएगा और सोमवार तक रिपोर्ट करने को कहा। वकीलों के मुताबिक, सरकार

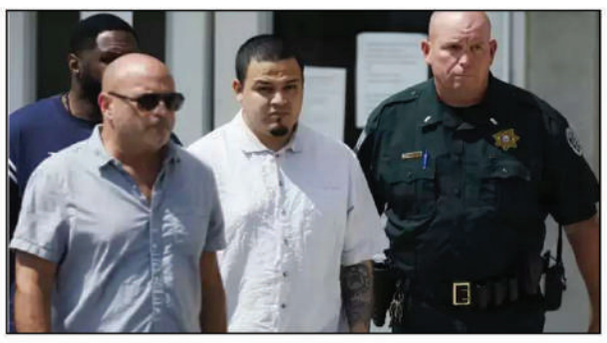

ने तक गार्सिया को यह विकल्प दिया था कि सोमवार सुबह तक वह कोस्टा रिका वाले प्रस्ताव को स्वीकार करें, अन्यथा यह ऑफर हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा। अदालत में दाखिल दस्तावेजों के साथ कोस्टा रिका सरकार का एक पत्र भी लगाया गया, जिसमें गार्सिया को कानूनी प्रवासी के रूप में स्वीकार करने की सहमति दी गई थी।

गार्सिया का मामला पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आव्रजन नीति में एक विवादास्पद मुद्दा बन गया था, जब मार्च में उन्हें गलती से एल साल्वाडोर भेजा गया था, जबकि अदालत ने पहले ही वहां हिंसा का खतरा होने की बात मानी थी। बाद में जून में अदालत के आदेश पर उन्हें वापस अमेरिका लाया गया और मानव तस्करी के आरोपों में हिरासत में ले लिया गया। अभियोजन पक्ष का कहना है कि गार्सिया को निर्वासित किया जा सकता है क्योंकि वह अवैध रूप से अमेरिका आए थे और 2019 में एक आव्रजन न्यायाधीश ने उन्हें निर्वासन के लिए योग्य घोषित किया था, हालांकि एल साल्वाडोर नहीं। हाल ही में युगांडा ने अमेरिका से आने वाले निर्वासितों को स्वीकार करने की सहमति दी है, बशर्ते उनके खिलाफ कोई आपराधिक रिकॉर्ड न हो।

गाजा में इजराइली हमलों में 25 की मौत, अकाल की घोषणा के बाद बढ़ा दबाव

एजेंसी

गाजा। गाजा के सबसे बड़े शहर में अकाल की आधिकारिक घोषणा के बीच इजराइली हमलों में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अस्पतालों के अनुसार, हवाई हमलों और गोलीबारी में मारे गए लोगों में अधिकांश महिलाएं और बच्चे थे। खान यूनिस में लगाए गए तंबुओं पर हुए हमलों में 14 लोगों की मौत हुई, जहां हजारों विस्थापित लोग शरण लिए हुए हैं।

नासिर अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि पीड़ितों में कई महिलाएं और बच्चे शामिल थे। एक शोकाकुल परिजन ने कहा, पूरे गाजा पर बमबारी हो रही है। इसी बीच, उत्तरी गाजा में जिकीम क्रॉसिंग के पास सहायता पाने की कोशिश कर रहे पांच लोगों को इजराइली गोलीबारी में जान गंवानी पड़ी। ये वो इलाका है जहां से संयुक्त राष्ट्र और अन्य एजेंसियों के काफिले गाजा में प्रवेश करते हैं। इसके अलावा, अलग-अलग हमलों में छह और लोगों की मौत हुई। वैश्विक खाद्य संकट पर नजर रखने वाली शीर्ष एजेंसी ने शुक्रवार को गाजा सिटी और आसपास के क्षेत्रों में अकाल की पुष्टि की, जिससे इजराइल पर मानवीय सहायता की अनुमति देने का दबाव और बढ़ गया है। अंतरराष्ट्रीय राहत संगठनों ने चेतावनी दी है कि युद्ध और खाद्य आपूर्ति पर लगाए गए प्रतिबंधों के कारण गाजा में भुखमरी तेजी से बढ़ रही है। हालांकि, इजराइल ने अकाल संबंधी रिपोर्ट को झूठ करार दिया है और गाजा सिटी पर नियंत्रण के लिए सैन्य कार्रवाई की तैयारियां जारी रखी हैं। वहीं, युद्धविराम के प्रयास फिलहाल ठप पड़े हैं क्योंकि मध्यस्थ इजराइल के अगले कदम का इंतजार कर रहे हैं।

नेपाल में भारतीय महिला का शव सूटकेस में मिला, जांच में जुटी पुलिस

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के रौतहट जिले में एक लावारिस सूटकेस में महिला का शव बरामद किया गया है। इस मृतक महिला का संबंध बिहार के मुजफ्फरपुर से होने का खुलासा हुआ है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल रौतहट में भेजा है। फोरेंसिक रिपोर्ट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह का पता चल सकेगा। रौतहट जिले के डीएसपी कार्की ने बताया कि रविवार की सुबह भारतीय सीमावर्ती जिला रौतहट के गौर में भारतीय सीमा से महज दो किमी भीतर शनिवार की रात करीब 8 बजे सड़क पर एक लावारिस सूटकेस पाया गया। पहले तो पुलिस को उसमें विस्फोटक पदार्थ होने की आशंका हुई, लेकिन फॉरेंसिक टीम के आने बाद सूटकेस खोलने पर उसमें एक महिला शव मिला। उन्होंने बताया कि मृत महिला की पहचान 26 वर्षीया रूबी साह के रूप में हुई है। डीएसपी राजू कार्की ने बताया कि मृत महिला रौतहट जिले के माधवनारायण में मायके में दो महीने पहले ही अपने चार वर्षीय बेटे

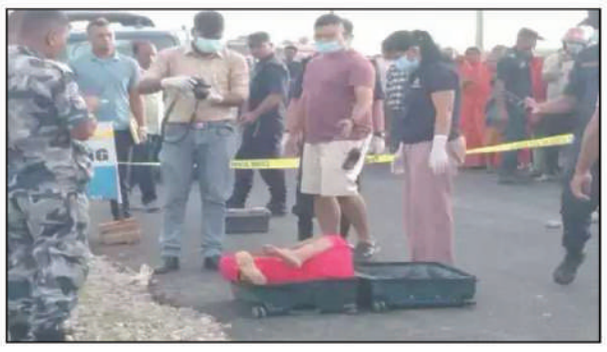

के साथ रहने आई थी और वह दो दिनों से लापता थी। उसका घर बिहार के मुजफ्फरपुर बताया गया है। उसका पति अभी भी बिहार के मुजफ्फरपुर में ही रहता है। पुलिस ने महिला का शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल रौतहट में भेजा है। पुलिस ने बताया कि फोरेंसिक रिपोर्ट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह का पता चल सकेगा।

स्थानीय पत्रकार प्रेमचंद झा ने बताया कि मृत महिला की मां ने ही पुलिस में अपनी बेटी के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। वह घर से ब्यूटी पार्लर जाने की बात कहकर गई थी।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की तबीयत जेल में बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

एजेंसी

कोलंबो। सरकारी धन के कथित दुरुपयोग मामले में 26 अगस्त तक न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के अदालत के आदेश के बाद देश के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की कोलंबो की रिमांड जेल में पिछली रात अचानक तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल में शिफ्ट किया गया है।कोलंबो पोस्ट के मुताबिक 76 वर्षीय विक्रमसिंघे को चिकित्सकों की सलाह पर आईसीयू में भर्ती कराया गया। वे डिहाइड्रेशन के साथ-साथ हाई बीपी और डायबिटीज की समस्या से जूझ रहे हैं। विक्रमसिंघे को 22 अगस्त को सीआईडी मुख्यालय में गिरफ्तार किया गया, जहां उन्हें सरकारी धन के कथित दुरुपयोग की जांच के संबंध में बयान दर्ज करने बुलाया गया था। उनपर साल 2023 में अपनी पत्नी के दीक्षांत समारोह में भाग लेने के लिए इंग्लैंड की यात्रा में सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप है।इस मामले में गिरफ्तार रानिल विक्रमसिंघे को कोलंबो की अदालत ने जमानत देने

से इनकार कर दिया, जिसके बाद उन्हें 26 अगस्त तक न्यायिक हिरासत में भेज भेजा गया।

जुलाई 2022 से सितंबर 2024 तक राष्ट्रपति रहे विक्रमसिंघे ने गोटबाया राजपक्षे की जगह ली थी। इस दौरान उन्हें श्रीलंका को आर्थिक संकट से बाहर निकालने का श्रेय दिया गया था। इसके साथ ही उन्होंने छह बार श्रीलंका के प्रधानमंत्री के रूप में भी कार्य किया।

तुर्किए की प्रथम महिला ने मेलानिया ट्रंप से गाजा के बच्चों के लिए आवाज उठाने की अपील की

एजेंसी

इस्तांबुल। तुर्किए की प्रथम महिला एमिन एर्दोआन ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पत्नी मेलानिया ट्रंप को पत्र लिखकर गाज़ा में बच्चों की दयनीय स्थिति पर ध्यान आकर्षित करने की अपील की है। यह जानकारी अंकारा प्रशासन ने दी। एमिन एर्दोआन ने अपने पत्र में मेलानिया द्वारा हाल ही में रूस और यूक्रेन के बच्चों के लिए दिखाई गई संवेदनशीलता का उल्लेख किया और कहा कि वही संवेदनशीलता गाजा के बच्चों के लिए भी दिखाई जानी चाहिए। उन्होंने लिखा, मुझे विश्वास है कि आपने 648 यूक्रेनी बच्चों के लिए जो कदम उठाया, वही संवेदनशीलता गाजा के लिए भी बढ़ेगी।

पत्र में आगे कहा गया कि जब दुनिया फिलिस्तीन की मान्यता को लेकर एकजुट हो रही है, तब

आपका गाजा के पक्ष में आह्वान फ़िलिस्तीनी लोगों के लिए एक ऐतिहासिक जिम्मेदारी पूरी करेगा। गाजा में हालात बेहद खराब हैं। एक वैश्विक भूख निगरानी रिपोर्ट के अनुसार, गाजा सिटी और उसके आसपास के क्षेत्र में अकाल की स्थिति घोषित कर दी गई है और यह अन्य इलाकों में भी फैलने की आशंका है। इस रिपोर्ट के बाद इजराइल पर अधिक मानवीय सहायता की अनुमति देने का दबाव बढ़ गया है।हालांकि, इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस रिपोर्ट को झूठा बताया और कहा कि इजराइल की नीति भूख पैदा करने की नहीं बल्कि उसे रोकने की है। गाजा युद्ध की शुरुआत 07 अक्टूबर 2023 को हुई थी, जब हमास ने दक्षिणी इजराइल में हमला कर 1,200 लोगों की हत्या कर दी और लगभग 250 लोगों को बंधक बना लिया। इसके बाद से इजराइल के सैन्य अभियान में गाजा स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार 62,000 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है।

इजराइल में निवेश को लेकर नॉर्वे के चुनावी समर में हड़कंप

एजेंसी

ओस्लो/अरेन्डल। नॉर्वे में 08 सितंबर को होने वाले आम चुनाव से पहले देश के सबसे बड़े संप्रभु निधि को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। इजराइल में किए गए निवेश चुनावी मुद्दा बन गए हैं और इसने नॉर्वे की राजनीति में गर्मी बढ़ा दी है। ताजा जनमत सर्वेक्षणों के अनुसार, दक्षिणपंथी पार्टियां- कंजरवेटिव्स, प्रोग्रेस पार्टी, लिबरल्स और क्रिश्चियन डेमोक्रेट्स- फिलहाल 85 सीटें जीतती दिख रही हैं, जो बहुमत के लिए आवश्यक संख्या से सिर्फ एक ज्यादा है। विवाद तब गहराया जब वामपंथी सोशलिस्ट लेफ्ट पार्टी ने ऐलान किया कि वे लेबर पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार का समर्थन तभी करेंगे, जब यह फंड उन कंपनियों से निवेश वापस लेगा, जो इजराइल के गाजा में गैरकानूनी युद्ध में शामिल हैं। हालांकि लेबर पार्टी ने इस मांग को ठुकरा दिया, लेकिन चुनाव के बाद इस दबाव को टालना आसान नहीं होगा।

फंड के सीईओ निकोलाई टैंगन ने स्वीडिश डेली को दिए इंटरव्यू में कहा, यह मेरे करियर का सबसे बड़ा संकट है। यह भरोसे का सवाल है। उन्होंने पत्रकारों को दिए बयान में इस्तीफे की संभावना से इनकार करते हुए कहा कि उन्होंने संसद द्वारा तय जनादेश के मुताबिक ही काम किया है। जानकारी के मुताबिक, 30 जून के बाद फंड ने 23 इजराइली कंपनियों से निवेश वापस लिया, जबकि इससे पहले सिर्फ दो कंपनियों से निवेश हटाया गया था। 14 अगस्त तक फंड के पास 38 इजराइली कंपनियों में 19 अरब नॉर्वेजियन क्रोन (लगभग 1.85 अरब डॉलर) का निवेश था।

पाकिस्तान के लाहौर हाई कोर्ट ने विपक्षी नेता अहमद खान की याचिका खारिज की

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के लाहौर उच्च न्यायालय ने पंजाब विधानसभा में विपक्ष के पूर्व नेता मलिक अहमद खान भाचर की याचिका खारिज कर दी। चुनाव आयोग ने नौ मई के एक मामले में आतंकवाद विरोधी अदालत से दोषी ठहराए जाने के बाद पंजाब विधानसभा की सदस्यता से उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया था। भाचर ने दोषसिद्धि के बाद आयोग के अयोग्य घोषित करने के फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। एआरवाई न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, लाहौर उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति खालिद इशाक ने उनकी याचिका को विचारणीय योग्य भी नहीं माना। उन्होंने कहा कि अहमद खान भाचर सजा सुनाए जाने के बाद से फरार हैं और कानून के सामने

आत्मसमर्पण करने में विफल रहे हैं। उच्च न्यायालय ने फैसले में कहा कि चुनाव आयोग की अधिसूचना सीधे तौर पर आतंकवाद विरोधी अदालत के फैसले से जुड़ी है। याचिकाकर्ता ने सजा से बचने के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, उन्हें राहत नहीं दी जा सकती। पाकिस्तान चुनाव आयोग ने 9 मई के दंगों से संबंधित मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के तीन सांसदों को अयोग्य घोषित कर दिया था। आयोग ने सीनेटर एजाज चौधरी, पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता मलिक अहमद खान भाचर और अहमद चट्ठा को अयोग्य घोषित करने संबंधी अधिसूचना जारी कर उनकी सीटों को रिक्त घोषित कर दिया। लाहौर और सरगोधा स्थित आतंकवाद-रोधी अदालतों ने 9 मई को एक ही प्रकृति के अलग-अलग मामलों में पीटीआई के तीन सांसदों को 10 साल जेल की सजा सुनाई है। अहमद खान भाचर को पंजाब में पीटीआई का बड़ा नेता माना जाता है।

रूस का दावा, लड़ाई में यूक्रेन ने 24 घंटों में 1,325 से अधिक सैनिकों को खोया

एजेंसी

मॉस्को। रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि देश के सशस्त्र सैन्य बलों ने पिछले 24 घंटों में एक यूक्रेनी सैन्य औद्योगिक परिसर उद्यम, यूक्रेनी सैनिकों और विदेशी भाड़े के सैनिकों के अस्थायी तैनाती केंद्रों पर बड़ा हमला किया। रूस के विशेष सैन्य अभियान के दौरान पिछले 24 घंटों में यूक्रेनी सशस्त्र बलों ने 1,325 से अधिक सैनिकों को खोया है।

रूस की सरकारी समाचार एजेंसी ने पिछले 24 घंटों में विशेष सैन्य अभियान क्षेत्र की स्थिति के बारे में रक्षा मंत्रालय के हवाले से अपनी खबर में कहा कि खार्कोव दिशा में लड़ाई के दौरान रूस के बैटलग्रुप नॉर्थ ने 150 से अधिक, बैटलग्रुप वेस्ट ने 230 से अधिक, बैटलग्रुप साउथ ने 210 से अधिक, बैटलग्रुप सेंटर ने 430 से अधिक, बैटलग्रुप ईस्ट ने 245 से अधिक और बैटलग्रुप डेनेप्र ने 60 से

अधिक यूक्रेन के सैनिक हताहत किए हैं। यही नहीं, रूसी वायु रक्षा प्रणालियों ने पिछले 24 घंटों में चार निर्देशित हवाई बम और 160 स्थिर-पंख वाले ड्रोन को रोका। रूसी सैनिकों ने इस अवधि में डोनेट्स्क पीपुल्स रिपब्लिक में क्लेबन-ब्यक और श्रेडनेय की बस्तियों को मुक्त करा लिया है। इस बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने परमाणु उद्योग के कर्मचारियों के साथ बैठक में कहा कि युद्ध की परिस्थितियां और तरीके हर महीने बदलते हैं। सरोव के निजनी नोवगोरोड क्षेत्र में हुई बैठक में पुतिन ने कहा कि यह अतिशयोक्ति नहीं है। परिस्थियों के अनुरूप खुद को न ढालने का बड़ा नुकसान होता है।

भारतीय निर्यात को लेकर महावाणिज्य दूत ने चीन के ताइझोउ शहर का किया दौरा

एजेंसी

शंघाई। चीन के शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने चीन के यांग्त्जी रिवर डेल्टा क्षेत्र के प्रमुख कारोबारी केंद्र ताइझोउ शहर का दौरा किया। यह क्षेत्र शंघाई और पूर्वी चीन के आर्थिक गलियारे का अहम हिस्सा माना जाता है। सोशल मीडिया एक्स पर माथुर ने बताया कि दौरे के दौरान ताइझोउ के मेयर वांग

जियान के साथ हुई बातचीत में भारतीय निर्यात की संभावनाओं पर सकारात्मक और रचनात्मक चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने इस बात पर सहमति जताई कि भारतीय कंपनियों को चीन के इस उभरते बाजार में निवेश के अवसर मिल सकते हैं, जिससे न केवल चीन में कारोबारी विस्तार होगा बल्कि भारत में भी रोजगार सृजन सुनिश्चित होगा। मुलाकात के दौरान 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' की अवधारणा को विशेष महत्व दिया गया। यह दौरा यांग्त्जी रिवर डेल्टा क्षेत्र में भारत-चीन आर्थिक सहयोग की संभावनाओं और आपसी पूरकताओं को उजागर करने वाला साबित हुआ।

पाकिस्तान की संवैधानिक पीठों में न्यायाधीशों के चयन के मानदंड तय करने के प्रयास विफल

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान न्यायिक आयोग (जेसीपी) की एक उप समिति संवैधानिक पीठों (सीबी) में न्यायाधीशों के चयन के लिए मानदंड विकसित करने में विफल रही। अधिकांश सदस्यों ने माना कि संविधान उन्हें ऐसा करने का अधिकार नहीं देता। पांच सदस्यीय समिति उप समिति के अन्य सदस्यों में पाकिस्तान के अटॉर्नी जनरल (एजीपी) मंसूर अवान, सत्तारूढ़ दल के सीनेटर फारूक एच. नाइक, विपक्षी दल के सीनेटर अली जफर और पाकिस्तान बार काउंसिल (पीबीसी) के प्रतिनिधि अहसान भून शामिल हैं। इस समिति के अध्यक्ष पाकिस्तान उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति जमाल खान मंडोखैल हैं। द ट्रिब्यून एक्सप्रेस अखबार की खबर के अनुयार, उप समिति की यह बैठक गुरुवार को हुई। पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश (सीजेपी) याह्या अफरीदी ने न्यायमूर्ति मंदोखैल के नेतृत्व में दो उप समितियों का गठन किया था। इनका उद्देश्य उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के वार्षिक प्रदर्शन के मूल्यांकन के तौर-तरीकों का मसौदा तैयार करना और सीबी में न्यायाधीशों के चयन के लिए मानदंड तैयार करना है। सूत्रों के अनुसार, उप समिति के तीन सदस्यों अवान, भून और नाइक ने संवैधानिक निषेध का हवाला देते हुए नियमों के निर्माण का विरोध किया। हालांकि जफर ने तीन सदस्यों से असहमति जताई। इसके बाद यह मामला जेसीपी को वापस भेज दिया गया। नियम बनाने को लेकर वकीलों में भी मतभेद हैं। एक वरिष्ठ वकील ने तर्क दिया कि नियम सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के आलोक में बनाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि 26वें संविधान संशोधन के लागू होने के बाद से उच्चतम न्यायालय और सिंध उच्च न्यायालय की संवैधानिक पीठों के न्यायाधीशों की नियुक्ति बिना किसी तय चयन प्रक्रिया के की जा रही है। ऐसी धारणा है कि सरकार

उन वरिष्ठ न्यायाधीशों को चयन प्रक्रिया से बाहर करने में सफल रही जो किसी भी हाई-प्रोफाइल मामले में सरकार पर सवाल उठा सकते हैं।उच्चतम न्यायालय की संवैधानिक पाठों के प्रदर्शन से संघीय सरकार पूरी तरह संतुष्ट है। इन पीठों ने सैन्य अदालतों में नागरिकों के मुकदमों को बरकरार रखा। विभिन्न उच्च न्यायालयों से न्यायाधीशों के इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरण को मंजूरी दी। यही नहीं 2024 के आम चुनाव के बाद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को आरक्षित सीटें देने वाले उच्चतम न्यायालय के फैसले को पलट दिया। वकील रिदा हुसैन ने आश्चर्य व्यक्त किया कि कुछ ही दिन पहले पदोन्नत हुए एक न्यायाधीश को संवैधानिक पीठ में नामित किया जा सकता है, जबकि व्यापक संवैधानिक विशेषज्ञता वाले कई वरिष्ठ न्यायाधीशों को इससे दूर रखा गया। उन्होंने कहा, 26वें संशोधन में ऐसा कुछ भी नहीं है जो संवैधानिक पीठों में न्यायाधीशों के नामांकन के नियम बनाने से रोकता हो। वह कहती हैं कि सरकार का मानना है कि न्यायाधीशों के नामांकन में पूर्ण विवेकाधिकार होना चाहिए। इसके पीछे की मंशा यह है कि न्यायाधीशों को पूरी तरह से राजनीतिक कारणों से नामांकित करने की अनुमति मिल सके, जिनका योग्यता से कोई लेना-देना न हो। रिदा ने जेसीपी से सवाल किया कि न्यायमूर्ति अली बाकिर नजफी को उच्चतम न्यायालय में शपथ लेने के उसी हफ्ते संवैधानिक पीठ में क्यों नामित किया गया? न्यायमूर्ति अमीनुद्दीन खान को ऐसी पीठ का प्रमुख क्यों नामित किया गया? महत्वपूर्ण संवैधानिक अनुभव वाले वरिष्ठ न्यायाधीशों को क्यों बाहर रखा जा रहा है? वह कहती हैं कि जेसीपी के सरकारी सदस्यों के पास इन सवालों का कोई जवाब नहीं है। इसलिए वे मानदंड तय नहीं करना चाहते।

एफपीआई ने अगस्त में बाजार से निकाले 6,455 करोड़ रुपये

एजेंसी

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अगस्त में अब तक भारतीय पूंजी बाजार से 6,455 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। खास बात यह है कि एफपीआई एक तरफ जहां इक्विटी में बिकवाली कर रहे हैं वहीं वे डेट और म्यूचुअल फंड खरीद रहे हैं। सीडीएसएल के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने 22 अगस्त तक शुद्ध रूप से 22,040 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची है। दूसरी तरफ, डेट में उनका निवेश 14,073 करोड़ रुपये बढ़ गया है। हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट में उन्होंने 63 करोड़ रुपये लगाये हैं। म्यूचुअल फंड में उन्होंने 1,449 करोड़ रुपये की शुद्ध लिवाली की। यह लगातार तीसरा महीना है जब एफपीआई बाजार से पैसा निकाल रहे हैं। इससे पहले जुलाई में उन्होंने 5,261 करोड़ रुपये और जून में 7,769 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की थी। इस साल मार्च और मई को छोड़कर शेष सभी महीनों एफपीआई ने बाजार से निकासी की है। पूरे कैलेंडर वर्ष में एफपीआई ने शुद्ध रूप से भारतीय पूंजी बाजार से 57,859 करोड़ रुपये निकाले हैं।

चावल मजबूत, गेहूं नरम, दालों-खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव, चीनी महंगी

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव बढ़ गये जबकि गेहूं में गिरावट रही। चीनी में भी तेजी रही। वहीं, दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया। घरेलू थोक बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 45 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 3,831.01 रुपये प्रति क्विंटल पर रही। वहीं, गेहूँ 13 रुपये सस्ता होकर 2,841.88 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत तीन रुपये उतर गयी और यह 3,307.05 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। सरसों तेल की औसत कीमत 15 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी। मूंगफली तेल में 33 रुपये और वनस्पति में 38 रुपये प्रति क्विंटल की साप्ताहिक गिरावट रही। सोयाबीन तेल 49 रुपये, सूरजमखी तेल 102 रुपये और पाम ऑयल 54 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। बीते सप्ताह दाल-दलहनों में चना दाल, उड़द दाल और मूंग दाल के औसत भाव बढ़ गये। चना दाल औसतन 26 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। उड़द दाल लगभग 28 रुपये और दाल मूंग 19 रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुई। मसूर दाल 12 रुपये और तुअर दाल 28 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। गुड़-चीनी : बाजार में गुड़ के औसत भाव करीब स्थिर रहे। चीनी में दो रुपये प्रति क्विंटल की मामूली तेजी रही।

रुपया एक सप्ताह में 6.50 पैसे मजबूत हुआ

मुंबई। मजबूत निवेश धारणा और घरेलू शेयर बाजारों में रही तेजी से बीते सप्ताह रुपया 6.50 पैसे मजबूत हुआ और अंतिम कारोबारी दिवस पर 87.5250 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह तेजी देखी गयी। इसका असर भारतीय मुद्रा पर भी पड़ा। साथ ही मध्यम और दीर्घावधि के लिए निवेशकों की धारणा मजबूत रहने का फायदा भी रुपये को मिला। बढ़त के बावजूद रुपया पिछले कुछ समय से 87 रुपये प्रति डॉलर से मजबूत नहीं हो पा रहा है और अपने ऐतिहासिक निचले स्तर 87.88 रुपये प्रति डॉलर के करीब बना हुआ है।

शहर ही नहीं, अब गांव में भी निवेश आसान

नई दिल्ली। डाक विभाग (डीओपी) और एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) ने वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए एक अहम पहल की है। इसके तहत अब देशभर के डाकघरों के जरिए म्यूचुअल फंड उपलब्ध कराए जाएंगे। मुंबई में आयोजित

एएमएफआई के 30वें स्थापना दिवस समारोह के मौके पर, डीओपी और एएमएफआई ने इस दिशा में सहयोग सुनिश्चित करने के लिए एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता 22 अगस्त 2025 से 21 अगस्त 2028 तक तीन वर्षों के लिए प्रभावी रहेगा, जिसमें आगे बढ़ाने (रिन्यूअल) का विकल्प भी मौजूद है। इसमें निवेशकों के डेटा और सेवाओं की अखंडता की सुरक्षा के लिए मजबूत प्रावधान किए गए हैं, जो भारत की वित्तीय सेवाओं में परिचालन उत्कृष्टता का नया मानक स्थापित करेंगे।

25 अगस्त से अमेरिका के लिए डाक सेवाएं निलंबित करेगा भारत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय डाक विभाग ने 25 अगस्त से अमेरिका के लिए सभी डाक सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित करने का ऐलान किया है। सिवाय उन पत्रों/दस्तावेजों और उपहार वस्तुओं के जिनका मूल्य 100 अमेरिकी डॉलर तक है। संचार मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि डाक विभाग 25 अगस्त से संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए सभी डाक सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित कर रहा है। क्योंकि, ट्रंप प्रशासन के नए सीमा शुल्क नियम इस महीने के अंत में लागू होने वाले हैं। मंत्रालय के मुताबिक डाक विभाग ने अमेरिकी प्रशासन द्वारा 30 जुलाई, 2025 को जारी कार्यकारी आदेश संख्या 14324 पर ध्यान दिया है, जिसके तहत 800 यूएस डॉलर तक के मूल्य के सामानों पर शुल्क-मुक्त न्यूनतम छूट 29 अगस्त, 2025 से वापस ले ली

जाएगी। इसके परिणामस्वरूप अमेरिका जाने वाली सभी अंतरराष्ट्रीय डाक वस्तुएं, चाहे उनका मूल्य कुछ भी हो, देश-विशिष्ट अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम (आईईईपीए) टैरिफ ढांचे के अनुसार सीमा शुल्क के अधीन होंगी। केवल 100 यूएस डॉलर तक की उपहार वाली वस्तुएं ही शुल्क मुक्त रहेंगी। आदेश के मुताबिक केवल अंतरराष्ट्रीय वाहक और अमेरिकी सीमा शुल्क की ओर से अनुमोदित अन्य योग्य पक्ष ही डाक शिपमेंट पर शुल्क वसूल और भुगतान कर सकते हैं। लेकिन, चूंकि इन पक्षों को मंजूरी देने और शुल्क वसूली की प्रक्रिया अभी स्पष्ट नहीं है। इसलिए एयरलाइन्स ने कहा है कि वे 25 अगस्त के बाद अमेरिका जाने वाले डाक पार्सल नहीं ले जा पाएंगी। मंत्रालय के अनुसार भारतीय डाक 25 अगस्त से अमेरिका के लिए सभी प्रकार की वस्तुओं की बुकिंग निलंबित कर देगा। हालांकि पत्रों, दस्तावेजों और 100 अमेरिकी डॉलर तक के उपहारों को इससे छूट मिलेगी। डाक विभाग ने कहा कि जिन ग्राहकों ने पहले से ही पार्सल बुक कर लिया है और उन्हें भेजा नहीं जा सकता, वे डाक शुल्क वापसी का दावा कर सकते हैं।

केरल के कोझिकोड से विमान सेवा शुरू करेगी अकासा एयर

एजेंसी

नई दिल्ली। नवोदित किफायती विमान सेवा कंपनी अकासा एयर आगामी 01 अक्टूबर से केरल के कोझिकोड (कालीकट) से मुंबई के लिए दैनिक विमान सेवा शुरू करेगी। एयरलाइंस ने बताया कि कोझिकोड उसके नेटवर्क में जुड़ने वाला 24वां घरेलू और कुल मिलाकर 30वां शहर होगा। इसके लिए बुकिंग शुरू हो गयी है। इससे पहले वह केरल में कोच्चि के लिए सेवा प्रदान कर रही है। मूर्तियों का शहर कोझिकोड अपनी सांस्कृतिक विरासत, दर्शनीय स्थलों और व्यापार के लिए जाना जाता है। अकासा एयर के सह-संस्थापक और मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी, प्रवीण अय्यर ने कहा, हमें कोझिकोड को अपने नेटवर्क में 30वें शहर के रूप में जोड़कर खुशी हो रही है। यह अकासा एयर की विकास यात्रा में एक मील का पत्थर साबित होगा और केरल में हमारी कनेक्टिविटी का विस्तार करेगा। हमारी दैनिक मुंबई-कोझिकोड सेवा न केवल देश की वाणिज्यिक राजधानी और मालाबार तट के बीच संपर्क को बढ़ायेगी, बल्कि व्यापार, पर्यटन और आर्थिक अवसरों के लिए एक उत्प्रेरक का काम भी करेगी।

यूरोपीय संघ, यूएस, चिली, पेरू के साथ एफटीए पर बातचीत कर रहा भारत : गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत यूरोपीय संघ, अमेरिका, चिली और पेरू सहित कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर बातचीत कर रहा है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने यहां आयोजित उद्यमी और व्यापारी नेतृत्व शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि दुनिया भारत की ओर देख रही है और कई विकसित अर्थव्यवस्थाएं हमारे साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रही है।

गोयल ने कहा कि वाणिज्य मंत्रालय इन वार्ताओं में दिन और दिन में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा, 'सुबह के समय ऑस्ट्रेलिया और जापान में दफ्तर खुल जाते हैं, दोपहर का समय होता है तो यूरोप खुल जाता है और शाम के समय अमेरिका से बातचीत शुरू हो जाती है...पेरू, चिली से बातचीत शुरू हो जाती है।'

अमेरिका के साथ भी हो रही बातचीत

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने आगे कहा कि भारत और अमेरिका मार्च से द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब तक पांच दौर की वार्ता पूरी हो चुकी है। अमेरिका ने भारत में होने वाली छठे दौर की बातचीत स्थगित कर दी है। गौरतलब है कि अमेरिका ने 27 अगस्त से भारतीय वस्तुओं पर 50 फीसदी का भारी-भरकम शुल्क लगाया है। फिलहाल 25 फीसदी शुल्क लागू है।

ईडी की बड़ी कार्रवाई: गुरुग्राम और दिल्ली में फर्जी कॉल सेंटर पर डाली रेड, 100 करोड़ की संपत्ति का खुलासा

एजेंसी

गुरुग्राम । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अवैध कॉल सेंटर घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत गुरुग्राम और नई दिल्ली में 7 ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई पीएमएलए 2002 के तहत की गई। ईडी ने यह जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज एक प्राथमिकी के आधार पर शुरू की, जिसमें बताया गया था कि कुछ अज्ञात आरोपी व्यक्तियों ने आपराधिक साजिश के तहत फर्जी कॉल सेंटर चलाकर अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाया। यह धोखाधड़ी नवंबर 2022 से अप्रैल 2024 के बीच दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों से की गई। इसी मामले को संज्ञान में लेने के बाद ईडी ने यह कार्रवाई शुरू की।जांच में सामने आया है कि आरोपी अर्जुन गुलाटी, दिव्यांश गोयल और अभिनव कालरा, नोएडा और गुरुग्राम में ऐसे कॉल सेंटर चला रहे थे। ये कॉल सेंटर तकनीकी सहायता देने का झांसा देकर अमेरिकी नागरिकों को फंसा रहे थे। इस घोटाले के जरिए आरोपियों ने करीब 15 मिलियन

अमेरिकी डॉलर (लगभग 125 करोड़ रुपये) की ठगी की है। ईडी की छापेमारी में कई अहम दस्तावेज और डिजिटल सबूत जब्त किए गए हैं। साथ ही, साइबर फ्रॉड में शामिल प्रमुख लोगों के बयान भी दर्ज किए गए, जिससे धोखाधड़ी के पूरे तरीके का खुलासा हुआ है।

इस कार्रवाई के दौरान 30 बैंक खातों को फ्रीज किया गया और आरोपियों की 8 लग्जरी कारें और कई कीमती घड़ियां भी जब्त की गईं। जांच में यह भी पता चला कि आरोपी इन कॉल सेंटरों से कमाए गए पैसे से आलीशान बंगले और 100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां खरीद चुके हैं। ईडी की यह कार्रवाई साइबर अपराध के नेटवर्क पर बड़ा प्रहार मानी जा रही है।

आयकर को सरल बनाने के मोदी सरकार के प्रयासों को उद्योगपति भजनका ने सराहा

एजेंसी

कोलकात। कोलकाता के जाने-माने उद्योगपति एवं समाजसेवी सज्जन भजनका ने आयकर को सरल बनाने के मोदी सरकार के प्रयासों की खुलकर सराहना की। डायरेक्ट टैक्स प्रोफेशनल्स एसोसिएशन (डीटीपीए) के वार्षिक सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए भजनका ने आयकर कानून को सरल बनाने की दिशा में केंद्र सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि तकनीक संख्याओं को संसाधित कर सकती है, लेकिन यह ज्ञान, नैतिकता और मानवीय निर्णय को लागू नहीं कर सकती। यह हमेशा पेशेवरों का क्षेत्र रहेगा। कोलकाता के एक पांच सितारा होटल में आयोजित एक दिवसीय सम्मेलन के दौरान डीटीपीए की अध्यक्ष सीए बरखा अग्रवाल ने बताया कि सम्मेलन का विषय कर,

तकनीक और परिवर्तन-व्यावसायिक उत्कृष्टता को पुनर्परिभाषित करना है। संस्थापक महासचिव और मीडिया संबंध समिति के अध्यक्ष एडवोकेट नारायण जैन ने कहा कि डीटीपीए की स्थापना 28 अगस्त, 1982 को हुई थी और अब इसके 2000 से अधिक सदस्य हैं जिनमें अधिवक्ता, चार्टर्ड एकाउंटेंट और कंपनी सचिव शामिल हैं। यह वार्षिक सम्मेलन डीटीपीए का एक प्रमुख कार्यक्रम है। सम्मेलन समिति के अध्यक्ष सीए एसके सुल्तानिया ने बताया कि तकनीकी सत्रों में बेनामी, आयकर, काला धन और बीएनएस जैसे दिलचस्प विषय शामिल हैं। इस अवसर पर एक स्मारिका का विमोचन भी किया गया। सीए पीआर कोठारी द्वारा संकलित आयकर पर पुस्तक और सीए डीएस अग्रवाल और सीए विकास पारख एवं उनकी टीम द्वारा संकलित जीएसटी पर एक अन्य पुस्तक का भी विमोचन किया गया। सेमिनार को सफल बनाने में नीलिमा जोशी, केपी खंडेलवाल, आरडी काकड़ा, एसडी वर्मा, एमसी जगवायन, अरविंद अग्रवाल, प्रमोद हिम्मतसिंहका सहित कई पूर्व अध्यक्षों ने सक्रिय रूप से सहयोग दिया।उपाध्यक्ष मंजुलता शुक्ला और महेंद्र अग्रवाल ने बताया कि सम्मेलन में लगभग 480 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया है। महासचिव सीए श्याम अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

भारत-ऑस्ट्रेलिया सीईसीए बातचीत का 11वां दौर नई दिल्ली में हुआ संपन्न

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत का एक और दौर पूरा किया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा, भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) पर 11वें दौर की वार्ता 18-23 अगस्त तक नई दिल्ली में आयोजित की गई, जिससे द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के साझा उद्देश्य को और बल मिला। मंत्रालय के मुताबिक इस वार्ता में वस्तुओं, सेवाओं और गतिशीलता, डिजिटल व्यापार, उत्पत्ति के नियम, कानूनी और संस्थागत प्रावधान, पर्यावरण, श्रम और लिंग सहित कई क्षेत्रों को शामिल किया गया, जिससे शेष प्रावधानों में अभिसरण के लिए बेहतर समझ विकसित हुई। दोनों देशों ने दिसंबर 2022 में एक अंतरिम व्यापार समझौते को लागू किया है। अब इसके दायरे को व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते में विस्तारित करने के लिए बातचीत कर रहे हैं।

केरल के कोच्चि में 600 करोड़ रूपये में बनेगा अडानी का लॉजिस्टिक्स पार्क

एजेंसी

कोच्चि। अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिडेट (एपीएसईजेड) केरल के कोच्चि में 600 करोड़ रुपये की लागत से लॉजिस्टिक्स पार्क बनायेगा। इसके भूमि पूजन समारोह में शनिवार को मुख्यमंत्री पिनराई विजयन भी शामिल हुये। अडानी पोर्ट्स ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि केरल में निवेश करें पहल के तहत कोच्चि के कलामस्सेरी में विकसित यह ऐतिहासिक परियोजना राज्य को एक लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक हब में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। रणनीतिक रूप से स्थित यह पार्क 70 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला है। इससे परिवहन लागत कम करने, समय पर संचालन को सक्षम बनाने और ई-कॉमर्स,

एफएमसीजी/एफएमसीडी, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोटिव और खुदरा सहित प्रमुख क्षेत्रों में निर्यात क्षमताओं को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। कंपनी ने बताया कि इस लॉजिस्टिक्स पार्क के विकास पर 600 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया जायेगा। इससे 1,500 लोगों को नौकरी मिलेगी और स्थानीय रोजगार, कौशल विकास तथा आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।एपीएसईजेड के पूर्णकालिक निदेशक और सीईओ, अश्विनी गुप्ता ने कहा कि कलामस्सेरी लॉजिस्टिक्स पार्क, अडानी पोर्ट्स के बंदरगाह-केंद्रित उद्यम से पूरी तरह एकीकृत परिवहन और लॉजिस्टिक्स व्यवसाय में परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने कहा, ÷'यह पार्क दक्षिण भारत में हमारी लॉजिस्टिक्स उपस्थिति को मजबूत करने, स्थानीय विनिर्माण और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। हम विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं जो स्थिरता, कनेक्टिविटी और राष्ट्रीय प्रगति को बढ़ावा दे। केरल के विधि, उद्योग और कॉयर मंत्री पी. राजीव ने कहा कि कलामस्सेरी लॉजिस्टिक्स पार्क एपीएसईज़ेड के स्मार्ट और टिकाऊ बुनियादी ढांचे के दृष्टिकोण को दर्शाता है जो व्यापार को बढ़ावा देता है, समुदायों को सशक्त बनाता है और बाजारों को जोड़ता है। एक लॉजिस्टिक्स केंद्र से कहीं बढ़कर, यह समावेशी विकास और क्षेत्रीय परिवर्तन को बढ़ावा देने वाला है।

सीसीपीए ने वीएलसीसी लिमिटेड पर मोटापा घटाने वाले भ्रामक विज्ञापनों के लिए 3 लाख रुपये का जुर्माना लगाया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने मशहूर वेलनेस और ब्यूटी कंपनी वीएलसीसी लिमिटेड पर मोटापा घटाने वाले भ्रामक विज्ञापनों के लिए 3 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि सीसीपीए ने यूएस-एफडीए अनुमोदित कूलस्कल्प्टिंग प्रक्रिया का उपयोग करके वसा-हानि और स्लिमिंग उपचार को बढ़ावा देने वाले भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए वीएलसीसी लिमिटेड पर 3 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। मंत्रालय ने बताया कि वीएलसीसी का मामला स्लिमिंग और ब्यूटी सेक्टर के विज्ञापनों की एक शिकायत और निगरानी के जरिए

सीसीपीए के संज्ञान में आया। जांच करने पर पता चला कि वीएलसीसी लिमिटेड एक ही सत्र में जबरदस्त वजन घटाने के अतिरंजित दावे कर रही थी, जो कूलस्कल्प्टिंग मशीन को दी गई वास्तविक मंजूरी से कहीं ज्यादा था, जिससे उपभोक्ता गुमराह हो रहे थे। इससे पहले सीसीपीए ने कूलस्कल्प्टिंग उपचारों पर भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए काया लिमिटेड पर 3 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था। काया लिमिटेड ने सीसीपीए के आदेश का पालन किया है और जुर्माने की राशि जमा कर दी है।

सोना हुआ मंहगा, चांदी में भी बड़ी उछाल

नई दिल्ली।

गौरतलब है कि सोने की कीमत रोजाना आधार पर तय होती है। इसके लिए करेंसी एक्सचेंज, डॉलर की कीमत में उतार-चढ़ाव, सीमा शुल्क, अंतरराष्ट्रीय बाजार में हलचल जैसे फैक्टर जिम्मेदार होता है। घरेलू शेयर बाजार में 2205 सोने और चांदी की

कीमतों में बदलाव देखी गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के लेटेस्ट अपडेट के मुताबिक, 24 कैरेट गोल्ड का भाव 211 रुपये की छलांग लगाकर 99,358 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। इससे पहले गुरुवार को यह 98,147 रुपये पर रहा था। वहीं 8 अगस्त को 1,01,406 रुपये के साथ सोना ने ऑल टाइम हाई का रिकॉर्ड बना चुका है। सोने से इतर चांदी का भाव आज 1,216 रुपये बढ़कर 1,13,906 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले सिल्वर 1,12,690 रुपये पर कारोबार कर रहा था। वहीं, 23 जुलाई को चांदी ने 1,15,850 रुपये का ऑल टाइम हाई बनाया था।

शेयर बाजार में 6 दिन से जारी तेजी पर लगा ब्रेक, गिरावट के साथ सेंसेक्स और निफ्टी बंद

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज चौतरफा गिरावट का रुख नजर आया। इसके साथ ही शेयर बाजार में पिछले 6 कारोबारी दिनों से जारी तेजी का सिलसिला आज थम गया। माना जा रहा है कि अमेरिकी टैरिफ की चिंता, भारत में आर्थिक अस्थिरता का संकेत देने वाले इंडिया वीआईएक्स इंडेक्स में आई तेजी और रुपये की कमजोरी के कारण घरेलू शेयर बाजार में आज लगातार दबाव बना रहा। आज के कारोबार की शुरुआत भी मामूली गिरावट के साथ हुई थी?। बाजार खुलते ही कुछ मिनट तक खरीदारी भी हुई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जो पूरे दिन जारी रहा। दिन भर के कारोबार के बाद सेंसेक्स और निफ्टी 0.85 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस और मेटल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह आईटी, रियल्टी, एनर्जी, ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, हेल्थ केयर और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में मामूली खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.23 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। एनएसई में आज 2,718 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,056 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,662 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 7 शेयर बढ़त के साथ और 23 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 8 शेयर हरे निशान में और 42 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 49.23 अंक की कमजोरी के साथ 81,951.48 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से पहले मिनट में ही ये सूचकांक उछल कर 81,993.61 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके तुरंत बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण सेंसेक्स की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 708.94 अंक टूट कर 81,291.77 अंक तक गिर गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 693.86 अंक की गिरावट के साथ 81,306.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ।सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 19.60 अंक टूट कर 25,064.15 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से पहले मिनट में ही ये सूचकांक उछल कर हरे निशान में 25,084.85 अंक तक पहुंचा। इसके तुरंत बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के कुछ मिनट पहले ये सूचकांक 224.60 अंक लुढ़क कर 24,859.15 अंक के स्तर तक आ गया। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई मामूली खरीदारी के कारण निफ्टी निचले स्तर से करीब 11 अंक की रिकवरी करके 213.65 अंक की कमजोरी के साथ 24,870.10 अंक के स्तर पर बंद हुआ।आज दिन भर के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.83 प्रतिशत, मारुति सुजुकी 0.48 प्रतिशत, भारती एयरटेल 0.18 प्रतिशत, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स 0.17 प्रतिशत और टाइटन कंपनी 0.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

हिट शोज और मेकअप ब्रान्ड...21 साल की उम्र में खुद का घर खरीद चुकीं हैं

अशनूर कौर

अब बिग बॉस 19 का होंगी हिस्सा!

बिग बॉस 19 के आगाज में अब कुछ ही घंटे बाकी हैं. सलमान खान का मोस्ट कॉन्ट्रोवर्शियल रियलिटी शो बिग बॉस हर साल नए सीजन को लेकर चर्चा में छाया रहता है. मेकर्स ने नए सीजन के घर की झलक भी दर्शकों को दिखा दी है. लेकिन अभी भी एक सवाल लोगों के जहन में घूम रहा है कि आखिर बिग बॉस 19 में शामिल होने वाले कंटेस्टेंट्स की फाइनल लिस्ट कौन सी है. खेर, सभी का तो नहीं पता, लेकिन टीवी एक्ट्रेस अशनूर कौर इस शो का हिस्सा बनने जा रही हैं.टेलीविजन एक्ट्रेस अशनूर कौर के बिग बॉस 19 में शामिल होने की खबरें हर तरफ छाई हुई हैं. दावा किया जा रहा है कि वो भी इस साल सलमान के शो का हिस्सा बनने जा रही हैं. दरअसल बीते दिनों अशनूर का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वो अपनी कार में बैठ रही थीं. उस क्लिप में पैप्स उन्हें बिग बॉस के लिए गुड लक विश कर रहे थे. हालांकि अशनूर ने कोई जवाब तो नहीं दिया, लेकिन वो मुस्कुराती हुई नजर आ रही थीं.

अशनूर ने दिया बिग बॉस 19 का हिंट

वहीं अशनूर को अपनी मम्मी और को-स्टार हुनर हाली के साथ गुरुद्वारे के बाहर भी देखा गया था. जिसे देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि वो शो में शामिल होने से पहले बाबा जी का आशीर्वाद लेने गईं थीं. उनसे जब बिग बॉस 19 के बारे में फिर पूछा गया, तो एक्ट्रेस सिर्फ मुस्कुराती हुईं नजर आईं. हालांकि अशनूर ने अपने इंस्टा अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है. जिसमें उन्होंने अपनी कई तस्वीरें शेयर की हैं. लेकिन गौर करने वाली बात ये है कि उनके कैप्शन में लिखा है, आपके सपोर्ट, प्यार और दुआओं की जरूरत है. शुरुआत हो गई है. एक्ट्रेस के इस पोस्ट को फैन्स बिग बॉस 19 से जोड़कर देख रहे हैं.

कौन हैं एक्ट्रेस अशनूर कौर

अशनूर कौर बेहद कम उम्र से ही टीवी पर काम करती हुई आ रही हैं. उन्होंने बतौर चाइल्ड एक्टर अपने करियर की शुरुआत की थी.

झांसी की रानी और ये रिश्ता क्या कहलाता है में चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर अशनूर काम कर चुकी हैं. वहीं बतौर लीड एक्ट्रेस भी वो कई शोज कर चुकी हैं. महज 21 साल की उम्र में अशनूर की तगड़ी फैन फॉलोइंग है. एक्ट्रेस का नाम YouTuber और सोशल मीडिया के पॉपुलर इन्फ्लुएंसर की लिस्ट में भी आता है.

भाभी ने जीती बिग बॉस की ट्रॉफी, अब देवर की बारी...बिग बॉस 19 में गर्लफ्रेंड संग आ रहा है ये इंफ्लुएंसर

सलमान खान का रियलिटी शो बिग बॉस 19 छोटे पर्दे पर धमाका करने के लिए पूरी तरह से तैयार है. फैन्स का इंतजार अब कुछ घंटों में खत्म होने को है. फैन्स को कंफर्म कंटेस्टेंट्स के नाम का इंतजार है. वहीं मेकर्स भी दर्शकों की एक्साइटमेंट बढ़ाने का काम प्रोमो शेयर करके कर रहे हैं. इस साल सलमान के शो में एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर की जोड़ी भी नजर आने वाली है. जिसका प्रोमो मेकर्स ने शेयर कर दिया है.

ये सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर जोड़ी कोई और नहीं, बल्कि आवेज दरबार और नगमा मिराजकर की है. दरअसल मेकर्स ने शो का एक प्रोमो शेयर किया है, जिसमें ये दोनों डांस करते हुए नजर आ रहे हैं. हालांकि मेकर्स ने दोनों का चेहरा छिपाने की कोशिश की है. लेकिन वो कहते हैं न समझदार के लिए एक झलक ही काफी है. आवेज और नगमा पिछले कई सालों से साथ हैं और एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं.

बिग बॉस 19 में आवेज और नगमा

आवेज और नगमा दोनों सोशल मीडिया के पॉपुलर इंफ्लुएंसर हैं और दोनों की है तगड़ी फैन फॉलोइंग है. इस जोड़ी को दर्शक बेहद पसंद करते हैं और दोनों एक साथ वीडियो शेयर करते रहते हैं. कपल के तौर पर आवेज और नगमा को एक साथ बिग बॉस 19 में देखना काफी मजेदार होने वाला है. फैन्स लगातार दोनों के प्रोमो पर खूब प्यार लुटा रहे हैं. बिग बॉस 19 के प्रीमियर की बात करें तो शो 24 अगस्त की रात 10:30 बजे टीवी पर दस्तक देगा.

कौन हैं आवेज दरबार ?

आवेज दरबार मशहूर सिंगर इस्माइल दरबार के छोटे बेटे हैं और गौहर खान के देवर हैं. इतना ही नहीं आवेज एक मशहूर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर और कंटेंट क्रिएटर हैं. उनके इंस्टाग्राम पर 30 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं. आवेज रियलिटी शो 'झलक दिखला जा' में भी नजर आ चुके हैं. आवेज डांस कोरियोग्राफर भी हैं और अपनी डांस अकादमी भी चलाते हैं. बता दें, गौहर खान उनके बड़े भाई की पत्नी हैं और उनकी भाभी. गौहर बिग बॉस की ट्रॉफी अपने नाम कर चुकी हैं.

कौन हैं नगमा मिराजकर ?

नगमा मिराजकर भी आवेज की तरह एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर हैं. नगमा सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर हैं. उन्होंने टिकटॉक से अपने करियर की शुरुआत की थी. नगमा के इंस्टाग्राम पर 7.8 मिलियन फॉलोअर्स हैं. सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर एक बेहतरीन डांसर हैं. नगमा अपने लाइफस्टाइल और फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं.

गोविंदा और सुनीता के तलाक की खबरों पर वकील का बड़ा खुलासा, कहा- कोई केस नहीं...

गोविंदा और पत्नी सुनीता अपने तलाक की खबरों को लेकर हर तरफ सुर्खियां बटोर रहे हैं. पिछले साल दिसंबर में सुनीता ने गोविंदा से तलाक लेने की अर्जी दाखिल की थी. ऐसे में एक बार फिर से दोनों के तलाक की खबर हर तरफ छाई हुई है. लेकिन इसी बीच गोविंदा के वकील का नया बयान सामने आया है.

बॉलीवुड एक्टर गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा की निजी जिंदगी लगातार चर्चा में छाई हुई है. कहा जा रहा है कि दोनों के रिश्ते में सब ठीक नहीं चल रहा है. ये भी माना जा रहा है कि सुनीता अब इस रिश्त में नहीं रहना चाहती हैं, इसलिए वो गोविंदा से तलाक लेने जा रही हैं.

रिपोर्ट की मानें तो सुनीता ने तलाक के लिए अर्जी भी डाल दी है. हालांकि इन खबरों में कितनी सच्चाई है, ये बता पाना मुश्किल है. इसी बीच गोविंदा के वकील ललित बिंद्रा का बयान सामने आया है.गोविंदा के वकील का कहना है कि दोनों का तलाक नहीं हो रहा है, ना ही कोई केस हो रहा है. सबकुछ बाहर ही सेटल किया जाएगा. एनडीटीवी को दिए गए बयान में वकील ने कहा, कोई केस नहीं हो रहा है, ये सब लोग पुरानी चीज़ें उठाकर डाल रहे हैं.

गणेश चतुर्थी पर दोनों साथ होंगे

वहीं रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्हें परिवार के एक सोर्स से पता चला है कि सब ठीक है. गणेश चतुर्थी पर पूरा परिवार एक साथ नजर आएगा. गोविंदा के दोस्त ने ई टाइम्स को बताया कि दोनों 38 साल से साथ हैं. बाकी कपल्स की तरह उनके रिश्ते में भी अप्स एंड डाउन्स हैं. आखिर किस कपल के बीच लड़ाई नहीं होती. गोविंदा कभी भी सुनीता को नहीं छोड़ेंगे. एक्टर के दोस्त ने दोनों के बीच सब ठीक बताया.

गोविंदा और सुनीता अलग नहीं हो सकते- दोस्त

गोविंद के दोस्त ने आगे कहा, गोविंदा, सुनीता के बिना खत्म हो जाएंगे. वह उन्हें हमेशा सपोर्ट करती आई हैं. उनके मूड को कंट्रोल भी करती हैं. अगर कोर्ट तक फैसला जाता है, तो दोनों हमेशा की तरह अपने बीच के फासले को कम कर लेंगे. बता दें, पिछले साल दिसंबर में सुनीता ने गोविंदा से अलग होने के लिए तलाक की अर्जी डाली थी. उन्होंने अपने पति पर कई गंभीर आरोप भी लगाए थे.

जितना ढकोगे, उतना ही...सलमान खान की फिल्म के सेट पर लड़कियों के लिए खास नियम,

डेजी शाह

का खुलासा

सलमान खान के साथ काम करने वाली हर एक्ट्रेस अक्सर उनके साथ अपना एक्सपीरियंस शेयर करती हुई नजर आती हैं. अक्सर सुनने को मिलता है कि भाईजान अपनी हीरोइन्स का खास ख्याल रखते हैं. उनकी सेफ्टी के खास इंतजाम भी करवाते हैं. सलमान इस बात पर सख्ती बरतते हैं कि उनके साथ काम करने वाली महिलाओं को सुरक्षा के लिहाज़ से कम गले वाले और छोटे कपड़े नहीं पहनने चाहिए. हाल ही में डेजी शाह ने भी सलमान के साथ अपने काम करने के एक्सपीरियंस पर बात की.हॉटरफ्लाई के साथ बातचीत में फिल्म जय हो से डेब्यू करने वाली डेज़ी शाह से पूछा गया कि सलमान खान सेट पर महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल बनाने में कैसे मदद करते हैं. डेज़ी शाह ने कहा कि सलमान खान का मानना है कि महिलाओं को उनकी फिल्मों में शोपीस के रूप में दिखाया नहीं जाना चाहिए, उन्होंने कहा, उनके लिए, लड़की को जितना ढकोगे, उतना ही ज्यादा सुंदर दिखेगी.

डेजी शाह ने किया खुलासा

डेजी ने एक घटना याद की जब उन्हें खुद को ढकने के लिए कहा गया था. उन्होंने बताया कि मुझे एक ही पोशाक पहननी थी॰ यह सुबह का एक सीन था जब मैं अभी-अभी उठी थी. उन्हें मेरी पोशाक थोड़ी अजीब लगी, इसलिए उन्होंने कहा, उसे कंबल से ढक दो. डेज़ी ने आगे कहा कि उनके अनुसार, वह नाइट ड्रेस थोड़ी छोटी थी.

पलक ने भी सलमान को लेकर कही थी ये बात

इससे पहले, पलक तिवारी ने भी सलमान की सोच को लेकर खुलासा किया था कि उनके सेट पर महिलाओं को कैसे कपड़े पहनने चाहिए. उन्होंने सिद्धार्थ कन्नन से कहा, जब मैं सलमान सर के साथ 'अंतिम' में काम कर रही थी, तो सलमान सर का एक नियम था कि मेरे सेट पर हर लड़की की नेकलाइन यहां होनी चाहिए, सभी लड़कियों को ढका हुआ होना चाहिए, अच्छी और सभ्य लड़कियों की तरह.उन्होंने यह भी कहा कि वह काफी

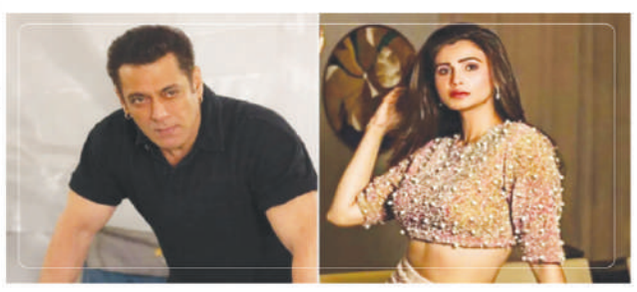

ट्रडिशनल हैं. उनका मानना है, जो पहनना है पहनना, लेकिन उनका यह भी मानना है, मेरी लड़कियों को हमेशा सुरक्षित रहना चाहिए. अगर आस-पास ऐसे पुरुष हैं जिन्हें वह व्यक्तिगत रूप से नहीं जानते, तो यह उनका निजी स्थान नहीं है. जहां वह हर किसी पर भरोसा नहीं करते. उनका मानना है कि लड़की हमेशा सुरक्षित रहनी चाहिए.

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास ने फिर शुरू की दंडी सन्यासियों के लिए अन्नसेवा

माँ अन्नपूर्णा मंदिर में विधिवत पूजन के बाद अन्नक्षेत्र भवन में प्रसाद वितरण

वाराणसी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास ने सनातन परंपरा का पालन करते हुए एक बार फिर दंडी सन्यासियों के लिए अन्नसेवा और दक्षिणा वितरण की परंपरा को पुनः प्रारंभ कर दिया है। शनिवार को माँ अन्नपूर्णा मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के पश्चात टेढ़ीनीम स्थित अन्नक्षेत्र भवन में दंडी सन्यासियों को सात्विक प्रसाद वितरित किया गया।

इस अवसर पर वाराणसी परिक्षेत्र के मंडलायुक्त, श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी, डिप्टी कलेक्टर सहित कई प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। अन्नसेवा के औपचारिक पुनः शुभारंभ की घोषणा कमिश्नर की उपस्थिति में की गई। कमिश्नर ने सभी दंडी सन्यासियों को सम्मानपूर्वक दक्षिणा भी भेंट की और यह संदेश दिया कि मंदिर न्यास की आय का उपयोग सनातन परंपराओं के संरक्षण और धार्मिक गतिविधियों की निरंतर सेवा में किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि कोरोना महामारी के दौरान यह सेवा अस्थायी रूप से स्थगित कर दी गई थी। स्थिति सामान्य होने के बाद दंडी सन्यासियों ने मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के समक्ष भोजन व्यवस्था को पुनः शुरू किए जाने की मांग रखी थी। उनकी इस पीड़ा को गंभीरता से लेते हुए मंदिर प्रशासन ने अन्नसेवा की परंपरा को पुनर्जीवित करने का निर्णय लिया। सेवा के पुनः संचालन पर दंडी सन्यासियों ने मंदिर न्यास और मंडलायुक्त के प्रति आभार जताया।

युवक ने चाकू मारकर पड़ोसी को उतारा मौत के घाट, पत्नी व बेटी घायल

सिद्धार्थनगर। जनपद के मिश्रौलिया थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत नागचौरी के टोला केवटहिया में शनिवार को देर रात आपसी विवाद में गुस्साए युवक ने पड़ोसी दंपत्ति और उनकी बेटी पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस घटना में 55 वर्षीय रामकला निषाद की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसकी पत्नी प्रभावती और बेटी किरन गंभीर रूप से घायल हो गई हैं। हमलावर घटना के बाद मौके से फरार हो गया। पुलिस इस घटना की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

नागचौरी ग्राम पंचायत के टोला केवटहिया के रहने वाले मुकेश कुमार निषाद ने आपसी विवाद को लेकर अपने पड़ोसी 55 वर्षीय रामकला निषाद तथा 50 वर्षीय उनकी पत्नी प्रभावती देवी और 17 वर्षी बेटी किरन पर अचानक चाकू से हमला कर दिया। हमला इतनी क्रूरता से किया कि रामकला की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, प्रभावती और उनकी बेटी किरन खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ीं। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तथा पुलिस को सूचना दिया । पुलिस ने तुरंत घायलों को इलाज के लिए बांसी सीएचसी पहुंचाया। जहाँ से हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। दोनों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद और सीओ इटवा शुभेंदु सिंह भी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने गांव में छानबीन की लेकिन हमलावर आरोपी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि विधिक कार्रवाई की जा रही है। आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस टीम लगा दी गई है।

भाईपुर कलां में आकाशवाणी वाराणसी का ग्रामीण विकास एवं खेती पर विशेष कार्यक्रम

मीरजापुर। जमालपुर क्षेत्र के भाईपुर कलां गांव में शनिवार को आकाशवाणी वाराणसी की ओर से खेती एवं ग्रामीण विकास पर चर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान गांव की खेती-किसानी, समाज, शिक्षा, पर्यावरण और ग्रामीण विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ।

कार्यक्रम सहयोगी रामकृष्ण मिश्र उर्फ नन्द भईया ने ग्रामीणों से संवाद किया और चौधरी रमेश सिंह से गांव की सामाजिक व्यवस्था, रीति-रिवाज और लोक परंपराओं पर चर्चा की। किसान शिवमंदिर सिंह ने तकनीकी खेती और आर्गेनिक खेती की आवश्यकता पर बल दिया, वहीं अवधेश सिंह ने सब्जी की खेती के महत्व पर विचार रखे।

एस.के. वर्मा ने शिक्षा में हो रहे नवाचार और परिवर्तनों पर प्रकाश डाला, जबकि पर्यावरण कार्यकर्ता गोविंद श्रीवास्तव ने वृक्षारोपण और पेड़ों के महत्व पर जोर देते हुए गांव को प्लास्टिक मुक्त रखने का आग्रह किया। मिट्टी को स्वस्थ बनाए रखने के उपाय भी साझा किए गए।

कार्यक्रम के दौरान सिंधु ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया और गीत के माध्यम से गांव की झलक पेश की। ग्रामीणों ने आकाशवाणी वाराणसी के कार्यक्रम अधिशासी दिनेश सिंह का गर्मजोशी से स्वागत किया।

इस अवसर पर उमेश चंद्र द्विवेदी, जय गोपाल सिंह, भृगुनाथ सिंह सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम ने ग्रामीणों में खेती-किसानी और विकास को लेकर नई ऊर्जा और जागरूकता का संचार किया।

ब्रह्माकुमारी संस्था ने रक्तदान शिविर का किया आयोजन

दिव्य दिल्ली : ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा आयोजित विशाल रक्तदान शिविर की शुरूआत पश्चिम विहार सेवा केंद्र से हुई। पहले ही दिन 44 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर मानवता की सेवा का संदेश दिया। इस अवसर पर विशेष रूप से ब्लड मैन ऑफ दिल्ली कहे जाने वाले श्री विपिन गर्ग उपस्थित रहे, जिन्होंने अब तक 130 बार रक्तदान किया है। उन्होंने सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। शिविर में अतिथि के रूप में पार्षद श्री विनीत वोहरा, भ्रष्टाचार और अपराध सुधार संगठन के अध्यक्ष श्री विनीत अग्रवाल, भाजपा मंडल पश्चिम विहार की अध्यक्ष संगीता खन्ना, फ्हअ उपाध्यक्ष श्री एम.एल. मल्होत्रा, पूर्व लायन क्लब अध्यक्ष श्री मुकेश नारंग, रिलैक्सो फुटवियर के निदेशक श्री सुशील बैत्रा, फिनवाइज सर्विसेज प्रा. लि. के संस्थापक श्री पुनित ओबेरॉय और ऑरेंज स्टार लॉजिस्टिक्स प्रा. लि. के संस्थापक श्री लोकेश शर्मा समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। शिविर की विशेषता यह रही कि ब्रह्माकुमारी बहनों ने स्वयं रक्तदान कर प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया। सभी रक्तदाताओं को प्रसाद और ईश्वरीय सौगात प्रदान की गई, वहीं सेल्फी प्वाइंट पर यादगार पल भी संजोए गए। मधुर ईश्वरीय गीतों के बीच सम्पन्न यह रक्तदान शिविर, दिल्ली के 40 से अधिक केंद्रों पर एक साथ आयोजित हो रहा है, जो समाज में सेवा और मानवता की भावना को नई दिशा दे रहा है।

एटा में महिला का क्षत विक्षत शव मिला,पुत्र पर ही हत्या का आरोप

एटा। शनिवार को उत्तर प्रदेश के जनपद एटा में थाना दशरथपुर अंतर्गत गांव नगला रामजीत के पास काली नदी के किनारे जंगलों में पेड़ से लटका, पोटली में बंधा करीब 50 वर्षीय महिला का शव दिखाई देने पर पुलिस को सूचना दी गई। जंगली जानवरों द्वारा शव को नोचे जाने के कारण शव का कुछ हिस्सा पोटली के बाहर बिखरा पड़ा था। फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वाड द्वारा पहुंचकर आवश्यक साक्ष्य जुटाये गये। मौके पर पुलिस द्वारा शव अवशेषों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

शव की पहचान सर्वेश(50) पत्नी रघुराज यादव निवासी सलेमपुर थाना कुरावली जनपद मैनपुरी के रूप में की गई। मृतका के भाई दशरथ ने बताया कि उनकी बहन सर्वेश 14 अगस्त से अपने गांव सलेमपुर से लापता थी। घर में जमीनी बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। वह 15 अगस्त को अपनी बहन के यहां गए तो भांजे निलेश ने उन्हें धमकाया कि बहन की गुमशुदगी कुरावली थाने में दर्ज है। उनकी बहन की हत्या मेरी बहन के पुत्र नीलेश ने ही की है। क्षेत्राधिकार अलीगंज नीतीश गर्ग द्वारा बताया गया कि महिला का शव जनपद एटा के दशरथपुर थाने में मिला है। इसलिए शव को पोस्टमार्टम हेतु मोर्चरी एटा भेज दिया गया है। मृतका की गुमशुदगी थाना कुरावली जनपद मैनपुरी में दर्ज है। अग्रिम विधि कार्रवाई की जा रही है।

डेढ़ वर्ष के बेटे को गोद में लेकर बीएसएफ जवान गंगा बैराज से नदी में कूदा

बिजनौर। आज बीएसएफ जवान अपने डेढ़ वर्ष के मासूम बच्चे को गोद में लेकर गंगा बैराज से नदी में कूद गया जहां उसे कूदते देखने वालों में शोर मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस व पीएसी की टीम भी मौके पर पहुंची तथा कई घंटे तलाशी अभियान चलाया पर कोई पता नही लगा। उक्त घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। दोपहर जवान बेटे के साथ बैराज पर पैदल जाते दिखाई दे रहा है गेट नम्बर 17 के पास पहुंचते ही बेटे को गोद में उठाकर नदी में छलांग लगा देता है। गौरतलब है कि चार दिन पहले ही जवान की पत्नी ने भी गंगा बैराज से ही नदी में छलांग लगा दी थी जिसकी चार दिनों से तलाश की जा रही है। नदी में छलांग लगाने का समय दोनों का लगभग मिलता हुआ है ।

नजीबाबाद की वेदविहार कालोनी बीएसएफ जवान राहुल पत्नी मनीषा ठाकुर व बेटे प्रणय के साथ रहते थे। जवान राहुल अहमदाबाद में तैनात थे तथा पांच साल पहले राहुल ने मनीषा से लव मैरिज की थी। राहुल अवकाश पर आयें हुए थे। 19 अगस्त को किसी बात को लेकर दोनों में विवाद हुआ। गुस्से में मनीषा ने कहा कि मैं गंगा बैराज से कूद कर जान दे दूंगी इतना कह वह घर से निकल गईं तथा राहुल भी पीछे निकला , मनीषा को ढूंढते हुए बैराज पहुंचे जहां मनीषा की चप्पल 17 नम्बर गेट के पास मिली। राहुल ने गंगा में कूदने से पूर्व दरोगा से मनीषा के बारे में जानकारी की थी। परिजनों के अनुसार जन्माष्टमी पर दोनों काफी खुश थे तथा बेटे को कृष्ण स्वरुप में सजाया था। थाना प्रभारी ने बताया कि गोताखोरों की मदद से तलाश कराई जा रही है।

डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'ऑपरेशन माँ' की विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की गई

दिव्य दिल्ली : साउथ दिल्ली के सिलेक्ट सिटी मॉल के सिने पॉलिश मल्टीप्लेक्स में कश्मीर की रियल लोकेशन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'ऑपरेशन माँ' की विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की गई। इस मौके पर सेना के अधिकारी, प्रशासनिक सेवा के आला अफसर और मीडिया के प्रतिनिधि मौजूद रहे। लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) के.जे.एस. ढिल्लन ने मीडिया से बातचीत में बताया कि इस ऑपरेशन का उद्देश्य उन युवकों को उनकी मां के पास वापस लाना था, जो आतंक की राह पर भटक चुके थे। उन्होंने कहा कि इस मुहिम में करीब 80 से ज्यादा युवाओं ने कट्टरपंथ और पड़ोसी मुल्क के लालच को छोड़ शांति का रास्ता अपनाया, और इसके पीछे सबसे बड़ा क्रेडिट उनकी माताओं को जाता है। ढिल्लन ने बताया कि डॉक्यूमेंट्री का नाम ऑपरेशन माँ पीटीआई में छपी रिपोर्ट से प्रेरित होकर रखा गया, जो इस अभियान की भावना को पूरी तरह दर्शाता है। उन्होंने कहा, मां के प्यार की ताकत किसी भी हथियार का मुकाबला नहीं कर सकती, और इस्लाम में मां को जन्नत का दर्जा दिया गया है। आईएन10 के निदेशक आदित्य पिट्टी ने कहा कि यह फिल्म एकता, करुणा और आशा के मूल्यों को उजागर करती है, जबकि डॉक्यूबेवी के समर खान ने बताया कि घाटी के सहयोग से चार महीने की कड़ी मेहनत के बाद रियल लोकेशन पर शूटिंग पूरी हुई। उन्होंने कहा, घाटी भारत का अभिन्न अंग है और यहाँ का हर बेटा घर लौटने का हकदार है। डॉक्यूमेंट्री का प्रीमियर 27 अगस्त को डॉक्यूबे पर होगा।

वाराणसी में महिला आश्रय गृह वाला थीम पार्क विकसित

वाराणसी। वाराणसी में मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल ने शनिवार को पत्रकारों से कहा कि वाराणसी में दुगार्कुंड क्षेत्र में महिला आश्रय गृह वाले थीम पार्क को विकसित किया गया है। थीम पार्क में बुजुर्ग महिलाओं के लिए झूले लगाए गए हैं। वहां भवन का नवनिर्माण कराया गया है। जिसमें छह साल तक के बच्चों के लिए एक नर्सरी और एक दत्तक ग्रहण केंद्र भी बनाया गया है। स्टाफ और फर्नीचर लगभग तैयार हो चुका है। जल्द ही दत्तक ग्रहण केंद्र शुरू कराया जायेगा। हमने पूरी तैयारी कर ली है।

बीएसए ने नौ ब्लॉक के बीईओ सहित 50 से अधिक कार्मिकों का रोका वेतन

सम्बन्धित कार्मिकों को युद्ध स्तर पर कार्य पूर्ण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया हैं।

जौनपुर। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरख नाथ पटेल ने शनिवार को यू डायस डाटा में स्टूडेंट फीडिंग एवं ड्रॉपबॉक्स में अत्यधिक पेंडेंसी होने के कारण विकास खण्ड धमार्पुर, बरसठी, सुजानगंज, शाहगंज, सिरकोनी, जौनपुर, केराकत, मड़ियाहूं, महराजगंज, के खण्ड शिक्षा अधिकारी, जिला समन्वयक एम.आई.एस/एम आई एस इंचार्ज एवं सम्बंधित ब्लॉक के एम.आई.एस/क्वालिटी को-ऑर्डिनेटर, कंप्यूटर ऑपरेटर, सहायक लेखाकार, एवं कार्यालय सहायक का अगस्त का वेतन मानदेय रोकते हुए सुधार न होने पर अग्रेत्तर कार्यवाही करने हेतु चेतावनी दिया है। साथ ही सम्बन्धित कार्मिकों को युद्ध स्तर पर कार्य पूर्ण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया हैं। बीएसए ने मान्यता प्राप्त विद्यालयों को समयान्तर्गत कार्य पूर्ण न होने पर मान्यता प्रत्याहरण की कार्यवाही करने की चेतावनी दी है।

अंतिम संस्कार करने आए दो पक्ष श्मशान घाट पर भिड़े, चार घायल

भटवाचक के शोभन राजभर का वहां पहले से मौजूद अमरजीत राजभर व उनके साथियों के साथ कहासुनी हो गयी।

बलिया। सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के सरयू नदी के कठौड़ा श्मशान घाट पर शनिवार को अंतिम संस्कार करने आए दो गावों के लोगों के बीच मारपीट हो गई। इस दौरान फायरिंग की भी खबर है। जिसमें चार लोग घायल हो गए।

घटना की सूचना प्राप्त होते ही पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। घायलों को इलाज के लिए सीएचसी सिकंदरपुर भेजा गया। जहां प्राथमिक उपचार के उपरांत तीन घायलों को जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार सिकंदरपुर थाना के ही बनहरा गांव के लोग अपने गांव के बच्चन राजभर की मां का कठौड़ा श्मशान घाट पर शनिवार दोपहर करीब डेढ़ बजे दाह संस्कार करके लौटने लगे। उनके साथ आए अमरजीत राजभर व धनंजय राजभर घाट पर ही रुक गए। तभी करीब दो घण्टे बाद भटवाचक गांव की मनसा देवी के अंतिम संस्कार के लिए उनके परिजन उसी श्मशान घाट पर आए। जहां पर भटवाचक के शोभन राजभर का वहां पहले से मौजूद अमरजीत राजभर व उनके साथियों के साथ कहासुनी हो गयी।

क्षेत्राधिकारी सिकंदरपुर रजनीश कुमार ने बताया कि अमरजीत राजभर व उनके साथी भटवाचक गांव के लोगों पर हमलावर हो गए। जिसमें चार लोग घायल हो गए। घायलों में धीरेन्द्र राजभर, अमलेश राजभर, सुभाष राजभर व इन्द्रजीत राजभर हैं। उन्होंने बताया कि घायलों की स्थिति स्थिर बनी हुई है। इस मामले में कुल पांच लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मौके पर फोर्स लगा दी गई है, कानून व्यवस्था की कोई समस्या नहीं है।

यमुना का जलस्तर बढ़ने से सैकड़ों बीघा फसल जलमग्न

हाथरस। हरियाणा के हथिनी कुंड से यमुना में छोड़े गए पानी का असर अब सादाबाद की ग्राम पंचायत मिढ़ावली और आसपास के गांवों में साफ दिख रहा है। फसलों का हाल देख किसान चिंतित हैं।

16-17 जुलाई को हथिनी कुंड से एक लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा गया था। यमुना का बढ़ता जलस्तर अब किसानों के खेतों में पहुंच गया है। करीब 300 से 400 बीघा क्षेत्र जलमग्न हो चुका है। इनमें से 200 बीघा में बाजरा, तिलहन, मूंग और उर्द की फसलें लगी थीं, जो पूरी तरह नष्ट हो गई हैं। खाली खेतों में पानी भरने से आगामी आलू की फसल की बुवाई में देरी की आशंका है। प्रशासन से मदद न मिलने से किसान परेशान हैं।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने स्कूलों का किया आकस्मिक निरीक्षण, चार शिक्षक अनुपस्थित मिले

मुरादाबाद। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विमलेश कुमार ने शनिवार को विकास क्षेत्र कुन्दरकी व बिलारी के ग्राम मिलक काजी, खाबरी अव्वल, बगरौआ, धर्मपुर कला, पीपली चक, सिहारी नन्दा, अकबरपुर खास, बकैनिया चादपुर, चंगेरी, देवीपुरा नगला, सनाई एवं वीरमपुर के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में बीएसए को चार शिक्षक अनुपस्थित मिले जिन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विमलेश कुमार को निरीक्षण के दौरान प्रा.वि. मिलक काजी कुन्दरकी में अभिषेक कुमार विश्नोई, प्र.अ. संविलियन विद्यालय खाबरी अव्वल में मु उमर खान रिजवी, पारूल टंडन तथा शूरवीर सिह स.अ. बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाये गये। इनके विरूद्ध कारण बताओ नोटिस निर्गत किया गया है। बीएसए ने बताया कि प्रा०वि० मिलक काजी के शिक्षण कक्ष की एक दीवार में क्रेक है, विद्यालय में छात्र मरम्मत का कार्य चल रहा है। प्राथमिक अध्यापक को निर्देशित किया गया कि छत मरम्मत के साथ-साथ दीवार की भी मरम्मत करायी जाये। प्रा.वि. बगरौआ, धर्मपुर कला, देवीपुरा नंगला में मल्टीपल हैण्डवाश में टोटियां नहीं लगी है तथा देवीपुरा नगला में मध्यान्ह भोजन जो सैम्पल के रूप में रखा मिला, उसकी क्वालिटी प्रथम दृष्टया ठीक नहीं पायी गयी।

सीएसजेएमयू में संचालित हुए ए आई फॉर ऑल व फाइनेंशियल लिटरेसी व्यावसायिक पाठ्यक्रम : कुलपति

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर जनपद में स्थित छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) की तरफ से दो व्यावसायिक पाठ्यक्रमों ए आई फॉर ऑल व फाइनेंशियल लिटरेसी का शुभारंभ किया गया। यह विश्वविद्यालय की ऐसी विशिष्ट पहल है जो विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी युग की चुनौतियों का सामना करने में समर्थ बनाएगी। यह जानकारी शनिवार को सीएसजेएमयू के कुलपति प्रोफेसर विनय पाठक ने दीं।

सीएसजेएमयू के कुलपति प्रो. विनय पाठक ने बताया कि दोनों ही व्यावसायिक पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय व संबद्ध महाविद्यालयों में अध्यनरत समस्त स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के लिए केंद्र सरकार के समर्थ पोर्टल के मूडल प्लेटफार्म द्वारा उपलब्ध कराये जाएंगे। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में युवाओं को दक्ष किए जाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की आकांक्षाओं के अनुरूप विकसित ए आई फॉर ऑल पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा कलाम फाउंडेशन के सहयोग से शुरू किया गया है।

कुलपति प्रोफेसर विनय पाठक ने कहा कि आज तकनीकी आम आदमी के जीवन में प्रवेश कर चुकी है अतः इस स्थिति में उत्पन्न हुई चुनौतियों का सामना करने में विद्यार्थियों को सहज रूप से योग्य बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय निश्चित रूप से ऐसे विद्यार्थियों को तैयार करेगा जो के क्षेत्र में विभिन्न नवाचारों तथा रोजगारों को प्रोत्साहन दे सकें तथा साथ ही एनईपी के बहु-विषयक दृष्टिकोण को आत्मसात कर के एक आत्मनिर्भर भारत का स्वप्न सफल किया जाए । उन्होंने फाइनेंशियल लिटरेसी की महत्ता पर भी जोर दिया और विद्यार्थियों को शुरूआत से ही मनी-मैनेजमेंट के लिए तैयार किए जाने की बात कही।

विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के एनईपी के अंतर्गत दृष्टिकोण के अनुसार संपूर्ण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। जिससे कि वे जीवन के सभी क्षेत्रों में सहजता से समायोजन कर पाएं। विश्वविद्यालय की महाविद्यालय विकास परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर राजेश कुमार द्विवेदी ने कहा कि विश्वविद्यालय की प्रत्येक पहल को महाविद्यालय के सहयोग से ही आगे बढ़ाया जाएगा।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397